वर्षः 7- अंकः 32, मुंबई, शुक्रवार, 10 मार्च, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

# मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

# बीजेपी के अच्छे दिन

## गोवा-उत्तराखंड में बहुमत, पंजाब-मणिपुर में पंजा

**लखनऊ।** पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने के बाद एक्जिट पोल के नतीजों में चार राज्यों में बीजेपी भारी बढ़त की तरफ दिख रही है। पंजाब को छोड़कर चार राज्यों में बीजेपी को भारी बढ़त की संभावना इन एक्जिट पोल में जताई जा रही है। इन एक्जिट पोलों के आधार पर पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक यूपी में बीजेपी को सबसे ज्यादा 179 सीटें, सपा-कांग्रेस गठबंधन को 136 और बीएसपी को 77 सीट मिलने की संभावना है। पंजाब में अकाली गठबंधन को सात, कांग्रेस 55 और आप को 54 सीटें मिलने का अनुमान है। उत्तराखंड में बीजेपी को 43, कांग्रेस को 23 और अन्य को चार सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। गोवा में बीजेपी को 18 सीटें, कांग्रेस को 12 और आप को 3 सीटें मिलने का अनुमान है। मणिपुर में कांग्रेस को 26, बीजेपी को 24 और अन्य को 10 सीटें मिलने का अनुमान है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

**UP चुनाव एग्जिट पोल**

सीटें | 403 मेजॉरिटी | 202

| उत्तर प्रदेश | 2012 में सीटें | ABP CSDS | टाइम्स नाऊ VMR | इंडिया न्यूज MRC |
|---|---|---|---|---|
| BJP | 47 | 164-176 | 190-210 | 185 |
| SP+CONG | 224+28 | 156-169 | 110-130 | 120 |
| BSP | 80 | 60-72 | 57-74 | 90 |
| OTHERS | 24 | - | - | 08 |

### बीजेपी को बहुमत

टाइम्स नाउ-वीएमआर के सर्वे के मुताबिक यूपी बीजेपी में 210 से 230 सीटें मिल सकती हैं। चुनावों में सपा को 110 से 130 सीटें मिलने का अनुमान बताया जा रहा है। वहीं, बीएसपी को सिर्फ 67 से 74 सीटों पर ही संतोष करना पड़ सकता है। एग्जिट पोल के मुताबिक इस बार यूपी में अन्य को 8 सीटें मिल सकती हैं। सर्वे के मुताबिक पश्चिम यूपी, अवध, रुहेलखंड, बुंदेलखंड और पूर्वी यूपी के अधिकतर हिस्सों में बीजेपी बढ़त बनाती दिख रही है।

### पंजाब में अकाली-बीजेपी का सूपड़ा साफ

पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच कांटे की टक्कर दिखाई दे रही है, और दोनों ही बहुमत के काफी करीब दिखाई दे रहे हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव के बाद हुए एग्जिट पोलों में इससे भी ज्यादा दिलचस्प तथ्य यह दिखाई दे रहा है कि वहां सत्तासीन अकाली दल व भारतीय जानता पार्टी के गठबंधन को सिर्फ 4-7 सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है।

### आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।। **(9619102478)**

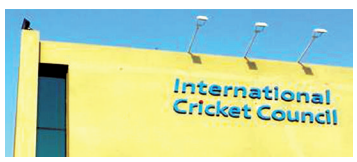


## आईसीसी का बड़ा ऐलान

### सितंबर में पाकिस्तान का दौरा करेगी विश्व एकादश

**मुंबई।** लाहौर में पीएसएल 2 के फाइनल मैच का सफल आयोजन होने के बाद आईसीसी ने पाकिस्तान को बड़ा तोहफा देते हुए ये ऐलान किया है कि वह सितंबर में पाकिस्तान के खिलाफ चार टी-20 मैच की सीरीज के लिए विश्व एकादश टीम को लाहौर भेजेगी। इस टूर्नामेंट का नाम 'द इंडिपेंडेंस कप' है जिसे पाकिस्तान में 8 वर्ष बाद शीर्ष स्तरीय **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

# खुरसान का सरगना गौस और उसका साथी गिरफ्तार

**लखनऊ।** आईएसआईएस के खुरसान (एशिया) मॉड्यूल के सरगना गौस मोहम्मद उर्फ जीएम और उसके साथी अजहर को गुरुवार गिरफ्तार कर लिया। अजहर का नाम संदिग्ध आतंकी सैफुल्लाह की डायरी में भी सामने आया था। बुधवार को यूपी से दो और मध्यप्रदेश से 3 लोगों की गरिफ्तारी हुई थी। बता दें, मंगलवार की रात संदिग्ध आतंकी सैफुल्लाह को यूपी एटीएस ने लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में 11 घंटे चले एनकाउंटर के बाद मार गिराया था। इस घटना में 'खुरासान' मॉड्यूल का नाम सामने आया था, जो आईएसआईएस से प्रेरित बताया गया। पुलिस का कहना है कि सैफुल्लाह और गौस के रिश्ते हो सकते हैं। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

### क्या कहना है गौस के बेटे का?

गौस के बेटे अब्दुल कादरि ने बताया, "मेरे और मेरे भाई की लखनऊ में दुकान है। हमें इस घटना के बारे में बिल्कुल जानकारी नहीं है। मंगलवार की रात 12 ।30 हम अपने गांव बछरावां में पिता के साथ थे। उसके बाद से वे गायब थे। पिता की गिरफ्तारी की बात न्यूज देखकर पता चली, जिसके बाद हम वापस कानपुर लौट आए। मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि ऐसा भी कुछ हो सकता है। अगर मेरे पिता इसमें शामिल हैं तो गिरफ्तारी सही है। एयरफोर्स से रिटायर होने के बाद पिता कुछ नहीं करते थे। इसके बावजूद हम लोगों से अलग करीब 2 साल से लखनऊ में रहते थे। इसी बात को लेकर घर में अनबन भी होती थी। हमें आज तक नहीं पता कि लखनऊ में वो कहां रहते थे। इस्लामी किताबें पढ़ने का उन्हें बहुत शौक था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# पिता से बगावत कर एशिया की पहली महिला डीजल ड्राइवर बनीं मुमताज

## राष्ट्रपति ने नारी शक्ति पुरस्कार से किया सम्मानित

**मुंबई।** मुंबई की मोटरवुमेन मुमताज एम. काजी, जिन्हें तीन साल पहले एशिया का पहली महिला डीजल इंजन चालक होने का गौरव प्राप्त हुआ था, बुधवार को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया। इस साल विभिन्न क्षेत्रों से सात शीर्ष महिलाओं को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुमताज (45) को कई तरह की रेलगाड़ियों के परिचालन में महारत हासिल है। वर्तमान में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-ठाणे खंड पर मध्य रेलवे की उपनगरीय लोकल ट्रेन को चलाती है, जो कि महिला चालक द्वारा चलाए जानेवाला अब तक का भारत का पहला और सबसे भीड़भाड़ वाला रेलवे मार्ग है।

केंद्रीय रेलवे के अधिकारी ने बताया कि एक रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार से आनेवाली काजी करीब 25 साल से ट्रेन इंजन की चालक रही हैं और देश की लाखों महिलाएं उनसे प्रेरणा हासिल कर रही हैं। हालांकि यह सब उस लड़की के लिए बिल्कुल आसान नहीं था, जिसने 1989 में सांताक्रूज उपरनगर के सेठ आनंदीलाल पोद्दार हाईस्कूल से पढ़ाई की थी और रेलवे में नौकरी के लिए आवेदन किया था। उनका विरोध करने वाला पहला व्यक्ति उनके पिता अल्लारखू इस्माइल काथवाला थे, जो एक वरिष्ठ

रेलवे कर्मचारी थे। पारंपरिक ख्यालों वाले मुमताज के पिता नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी एक ऐसी नौकरी करे जिसमें अबतक पुरुषों का वर्चस्व हो। इसके अलावा बतौर रेलवे ड्राइवर मुमताज को ऑड ऑवर्स में भी नौकरी करनी पड़ती, ये मुमताज के पिता को गंवारा नहीं था। लेकिन कुछ पारिवारिक मित्रों और रेल अधिकारियों ने उन्हें मुमताज को सपना पूरा करने देने के लिए मना लिया। 1995 में पहली महिला डीजल इंजन ड्राइवर होने पर उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था।

अब पूरा परिवार मुमताज पर गर्व करता है। वह सायन में रहती हैं। उन्होंने नंदुरबार के एक बिजली इंजीनियर मकसूद काजी से शादी की है, मुमताज के दो बेटे 14 वर्षीय तौसीफ और 11 फतेन को अपनी अम्मी की कामयाबी पर गर्व है। मुमताज बताती हैं कि आपको अपने सपने हर हाल में पूरे करने चाहिए, शुरूआत में कुछ विरोध हो भी तो उसका मुकाबला करना चाहिए। सफलता जरुर आपको कदम चुमेगी।

# होली को लेकर पुणे, मुंबई जानेवाली गाड़ियों में नो-रूम', ट्रेनें हाउसफुल

**नागपर।** होली को लेकर रेल टिकटों की बिक्री बढ़ गई है। हालांकि पीआरएस में यात्रियों की भीड़ नहीं है। लेकिन ई-टिकट खूब लिए गए हैं। अधिकतर ट्रेनों में नो-रूम' की स्थिति हो गई है। सेवाग्राम, दुरंतो, आजाद हिंद एक्सप्रेस आदि गाड़ियों में टिकट की कोई गुंजाइश ही नहीं है। 13 मार्च को होली है। ऐसे में नागपुर से विभिन्न दिशाओं की ओर जानेवाली गाड़ियों में आरक्षण की स्थिति ठीक नहीं है।

संयोग ऐसा कि होली के कारण शनिवार, रविवार व सोमवार तीन दिन लगातार छुट्टियां मिल रही हैं। इस वजह से अबकी भीड़ कुछ ज्यादा ही है। सेवाग्राम, दुरंतो, विदर्भ एक्सप्रेस आदि गाड़ियों में 200-250 तक

प्रतीक्षा सूची है। ऐसे में तत्काल टिकट ही एकमात्र विकल्प बचा है।

गाड़ी क्रमांक 12289 नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस के स्लीपर बोगी में नो-रूम', एसी-3 में 108 व एसी-2 में 44 प्रतीक्षा सूची है। 12129 नागपुर-पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस में स्लीपर श्रेणी में 200, एसी-3 में 50 व एसी-2 में 29 प्रतीक्षा सूची है। 11039 नागपुर-कोल्हापुर महाराष्ट्र एक्सप्रेस के स्लीपर में 280, एसी-2 में नो-रूम' है।

12850 बिलासपुर-पुणे एक्सप्रेस स्लीपर में नो रूम, एसी-3 में 50, एसी-2 में 40 प्रतीक्षा सूची है। 12139 नागपुर-मुंबई सेवाग्राम एक्सप्रेस के स्लीपर में 162, एसी-3 में 50 एसी-2 में नो-रूम' है। 12105 गोंदिया-मुंबई विदर्भ एक्सप्रेस के स्लीपर में 400, एसी-2 में 88 व एसी-3 में 68 प्रतीक्षा सूची है। इसके अलावा नागपुर से होकर जानेवाली अन्य गाड़ियों में भी प्रतीक्षा सूची लंबी है।

## किसान नहीं दे रहे मुंबई-नागपुर एक्सप्रेस-वे के लिए जमीन

**मुंबई।** पीडब्लूडी ( सार्वजनिक उपक्रम) मंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में कहा कि मुंबई-नागपुर सुपर एक्सप्रेस-वे के लिए जमीन देने का ठाणे के किसान विरोध कर रहे हैं। शाहपुर तहसील के 27 गावों के अलावा अहमदनगर के कोपगांव तहसील के 10 गावों के किसानों से जमीन अधिग्रहित की है परंतु वे अब विरोध कर रहे हैं। वे अपनी जमीन मांग रहे हैं। एनसीपी के जयंत पाटील, शिवसेना के सुनील प्रभु, कांग्रेस के निलेश राणे सहित अन्य सदस्यों के लिखित सवाल का जवाब देते हुए मंत्री शिंदे ने कहा कि परियोजना के लिए कल्याण तहसील के फलेगांव, दानबाव, उशिद, नडगांव, चिंचवली, रुंदे, उतणे, आंबिवली, राये, गरवली स्थित किसानों की जमीन अधिग्रहित किए जाने का ग्रामीण संघर्ष समिति ने विरोध किया है। किसानों ने प्रदर्शन भी किए हैं। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र महामार्ग ( संशोधन) अधिनियम-2016 के तहत इस परियोजना के लिए जमीन हासिल की जा रही है।

# अब भी नोटिस पीरियड पर है महाराष्ट्र की सरकार : शिवसेना

**मुंबई।** बीएमसी में शिवसेना को महापौर बनाने में मदद देने के बावजूद उद्धव ठाकरे की पार्टी का कहना है कि महाराष्ट्र में बीजेपी की सरकार अब भी 'नोटिस पीरियड' पर चल रही है। शिवसेना की प्रवक्ता नीलम गोरे ने बुधवार को कहा, 'हां...यह (बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए) सरकार अब भी नोटिस पीरियड पर चल रही है। जब तक हमारे प्रमुख (उद्धव ठाकरे) स्पष्ट नहीं करते तब तक सरकार नोटिस पर है।' वह महापौर के चुनाव के बाद साउथ मुंबई स्थित बृहन्मुंबई नगर निगम के परिसर में पत्रकारों से बात कर रही थीं। गोरे के बयान से कुछ दिन पहले शिवसेना के मंत्री रामदास कदम ने कहा था कि पार्टी के मंत्रियों ने अपनी जेब से त्याग पत्र को निकाल फेंका है। बीजेपी के पार्षदों के सहयोग से शिवसेना के विश्वनाथ महादेश्वर को बुधवार को देश के सबसे समृद्ध नगर निकाय का महापौर चुन लिया गया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस.खान द्वारा एस.आर.प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को.ऑ.हॉ.सो.बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस.वी.रोड,मालाड (प.) मुंबई से प्रकाशित RNI NO.MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी. हरीश
email: mumbaihalchal@gmail.com संपादक: **दिलशाद एस.खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



# शहर पर कब्जे की साजिश थी आईएस की

**मुंबई।** मंगलवार को मध्यप्रदेश के शाजापुर में ट्रेन में हुए ब्लास्ट का सीधा कनेक्शन बुधवार को लखनऊ में एनकाउंटर में मारे गए संदिग्ध आतंकवादी से जुड़ रहा है। महाराष्ट्र पुलिस से जुड़े सूत्रों का दावा है कि आईएस की भारत में पहली मीटिंग दो साल पहले लखनऊ में ही हुई थी। उस मीटिंग में भारत के किसी एक शहर या एक गांव पर पूरे कब्जे की रणनीति बनाई गई थी, ताकि इराक या सीरिया की तरह भारत में भी आईएस की साजिशों को किसी एक जगह पर बैठकर अंजाम तक पहुंचाया जा सके। यूपी पुलिस के एक अधिकारी ने एनबीटी से कहा कि एनकाउंटर के बाद जिस तरह की सामग्री व हथियार लखनऊ में मिले हैं, उसे देखकर ऐसा लग रहा है, जैसे आईएस ने लखनऊ को नार्थ का हेड क्वॉर्टर बना लिया था। दो दिन चली थी बैठक एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, लखनऊ की यह मीटिंग अक्टूबर, 2015 को किसी पॉलिटेक्निकल कॉलेज के पास एक कमरे में हुई थी। इस मीटिंग का आयोजन मुंबई से सटे मुंब्रा के मुदब्बिर शेख उर्फ अबू मुशब ने किया था। पहले दिन इस मीटिंग में कुशीनगर का रिजवान अहमद, मुंबई के मझगांव का मोहम्मद हुसैन खान उर्फ जमील, यूपी का अकलाख और मध्यप्रदेश का मोहम्मद अजहर उर्फ इकरामा शामिल हुआ था। अगले दिन हुई मीटिंग में इकरामा अपने साथ महाराष्ट्र के नालासोपारा से नफीस खान उर्फ जरार, मोहम्मद महरोज और ओसामा नामक एक आरोपी को भी लाया था। इस मीटिंग को स्काइप से सीरिया में युसूफ अल हिंद उर्फ नाम से शफी अरमार सुपरवाइज कर रहा था। इस मीटिंग में जरार ने किसी एक शहर या गांव पर कब्जे का सुझाव दिया था, जिस पर सभी ने अपनी रजामंदी जताई थी। पर किसी शहर या गांव पर कब्जा कैसे किया जाएगा, इस पर तब कोई रणनीति नहीं बन पाई थी। मीटिंग में इकरामा ने कहा था कि हमें आईएस में शामिल होने वाले लोगों को छत्तीसगढ़ के किसी जंगल में ट्रेनिंग देनी

चाहिए। इसके जवाब में रिजवान ने आसाम के किसी जंगल में ट्रेनिंग का सुझाव दिया। रिजवान का तर्क था कि आसाम से बांग्लादेश सीमा पास है, इसलिए वहां से आसानी से भागा जा सकता है। बांग्लादेश से आईएस सरगननाओं को आसाम बुलाया भी जा सकता है। इस पर जरार ने आंध्रप्रदेश के किसी जंगल को भी देख लेने का सुझाव दिया था। आईएस के उस पूरे मॉड्यूल को अडिशनल डीजी विवेक फाणसलकर, आईजी निकित कौशिक, इंस्पेक्टर निनाध सावंत, सतीश मयकर और योगेश चव्हाण की टीम ने पकड़ा था। महाराष्ट्र एटीएस सूत्रों का कहना है कि लखनऊ की मीटिंग में सिर्फ आतंकवादी ट्रेनिंग ही बात नहीं हुई। इस बात पर भी चर्चा हुई कि ट्रेनिंग के लिए जरूरी हथियार कहां से जुटाए जाएंगे? मीटिंग में मौजूद एक आतंकवादी ने नक्सलियों से हथियार जुटाने का सुझाव दिया, जबकि दूसरे लोगों ने उन लोगों की किडनैपिंग का सुझाव दिया, जिनके पास, हथियार हो सकते हैं। लखनऊ एनकाउंटर के बाद यूपी एटीएस ने जिस तरह की पिस्तौलें जब्त की हैं, कई पुलिस वालों का मानना है कि वह आरोपियों द्वारा लोकल लेबल पर ही मैनेज की गई हैं। फिरौती की भी साजिश किडनैपिंग के जरिए फिरौती की रकम वसूलने का भी लखनऊ मीटिंग में फैसला किया गया था। इंडियन मुजाहिदीन की भी किडनैपिंग की यही मोडस ऑपरेंडी थी। आईएस में इंडियन मुजाहिदीन से अलग हुए ही ज्यादा छोकरे हैं। लखनऊ की मीटिंग में यह भी तय किया गया था कि यदि किसी बॉलिवुड हस्ती को किडनैप किया जाए, तो बहुत बड़ी रकम मिल सकती है। यदि किडनैपिंग की साजिश सफल न हो, तो प्रारंभ में डकैती से रकम इकट्ठा करने का फैसला किया गया। डकैती को अंजाम देने के लिए कहा गया कि जब तक रिवॉल्वर या पिस्तौल की व्यवस्था न हो जाए, तब तक खतरनाक चाकू खरीद लिए जाएं। अक्टूबर, 2015 की लखनऊ मीटिंग शुरू होने से पहले आईएस के भारत चीफ शफी अरमार ने मुदब्बिर शेख को आमिर का पद दिया था। मीटिंग में कुछ लोगों ने मुदब्बिर को लेकर एतराज जताया और मध्यप्रदेश के इकरामा को आमिर बनाने का सुझाव दिया। शफी अरमार ने स्काइप के जरिए इस सुझाव को तत्काल वीटो कर दिया था। अरमार ने इकरामा को आमिर मलियत (खजांची) का पद दिया, जबकि रिजवान शेख को नायब आमिर (उप प्रमुख) बनाया। इकबाल नामक आरोपी को आमिर अशकरी (ट्रेनिंग व ऑपरेशन)व जमील को आमिर राफ्ता (कम्यूनिकेशन) की पोस्ट दी गई।

सोशल मीडिया से साजिश इस मीटिंग में सारी साजिश को अंजाम देने के लिए उन लोगों से भी संपर्क करने का फैसला किया गया, जो सीरिया में बैठे शफी अरमार से सोशल मीडिया के जरिए जुड़े हुए थे। महाराष्ट्र एटीएस ने एनआईए के साथ मिलकर फिर इन लोगों की तलाश शुरू की। उसी में करीब दो दर्जन लोग उस दौरान गिरफ्तार हुए थे। इनमें आशिक अहमद, अबू अतर, अलीम, इमरान खान, मोहम्मद राजिक शेख, मोहम्मद अजहर उर्फ इकरामा, मोहम्मद अफजल, मोहम्मद अब्दुल अहाद, मोहम्मद शरीफ मोइद्दीन, मोहम्मद हुसैन खान उर्फ जमील, मोहसिन इब्राहिम सैयद, मुदब्बिर शेख, मुफ्ती अब्दुल समी, नफीस खान उर्फ जरार, नजबुल उड़ा, उबेदुल्ला खान, रिजवान अहमद, सोहेल अहमद, सईद मुजाहिद के नाम प्रमुख हैं।

# बहन की शादी के लिए लुटेरे बना भाई

**मुंबई।** परिवार की तंगहाली और छोटी बहन की ब्याह की चिंता ने बड़े भाई को इस कदर मजबूर कर दिया कि उसने छोटे भाई के साथ मिलकर मालिक के पैसों को लूटने की योजना बना ली। हालांकि, पुलिस की पूछताछ में शिकायतकर्ता भाई टूट गया और उसने 9 लाख रुपये की लूट की पूरी कहानी आरे पुलिस को सुनाते हुए गुनाह स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों सगे भाइयों को लूटपाट व पुलिस को गुमराह करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आरे पुलिस को आरोपी भाइयों सज्जन यादव और ललन यादव के पास से लूटे गए 8,75,810 रुपये मिले हैं, जिसकी जांच अभी जारी है। जोन-12 के डीसीपी किरण कुमार चव्हाण के मार्गदर्शन में दिंडोशी डिविजन के एसीपी ज्ञानेश्वर जवलकर और सीनियर पीआई विजय ओउल्कर की टीम ने घटना का भंडाफोड़ किया। आरे पुलिस के मुताबिक, सात मार्च को शिकायतकर्ता सज्जन यादव ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरे कॉलोनी की यूनिट नंबर-32 में कुर्ला से गोरेगांव आते समय उसकी कार को अज्ञात मोटर साइकल सवार बदमाशों ने रोककर उसके पास मौजूद 9 लाख रुपये से भरे बैग और मोबाइल फोन बंदूक दिखाकर लूट लिए। पुलिस ने सज्जन की बातों पर यकीन कर अज्ञात लोगों के खिलाफ लूटपाट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पता चला कि सज्जन एक रेलवे ठेकेदार के पास काम करता है और वह अपने मालिक का काफी वफादार एवं खास आदमी है। इस वजह से उसका मालिक हमेशा उस पर भरोसा कर लाखों रुपये लाने और ले जाने की जिम्मेदारी सौंपता था। आरोप है कि छह मार्च को मालिक के इसी भरोसे का फायदा उठाकर सज्जन ने कुर्ला से गोरेगांव जाते वक्त रास्ते में 9 लाख रुपये आरे कॉलोनी के यूनिट नंबर-32 के पास गायब कर दिया। इसके लिए सज्जन ने छोटे भाई ललन यादव की मदद ली। आरे पुलिस के अनुसार, कुर्ला से मरोल होते हुए सज्जन यादव जिस रास्ते कार से गोरेगांव तक आया था, पुलिस ने जब उस रास्ते की सीसीटीवी फुटेज निकाल कर जांच-पड़ताल की, तो पता चला कि सज्जन के पीछे ऐसा कोई बाइक सवार नहीं दिखाई दिया जो उसका पीछा कर रहा हो। पुलिस को यहीं से सज्जन पर शक हुआ और उन्होंने उससे गहन पूछताछ की, तो वह जांच दल को इधर-उधर की बातें बताने लगा। आखिरकार वह पुलिस के सामने टूट गया।

# भगवा ही भगवा माहौल रहा

**मुंबई।** मुंबई में फिर अपना महापौर चुने जाने की खुशी शिवसैनिकों के चेहरे पर साफ झलक रही थी। सीएसटी स्थित बीएमसी मुख्यालय के आसपास का पूरा माहौल बुधवार को भगवामय हो गया था। बीएमसी मुख्यालय के अलावा जगह-जगह शिवसेना का भगवा झंडा लहरा रहा था। सुबह से ही शिवसैनिकों का हुजूम भी जुटने लगा था। नवनिर्वाचित महापौर, उपमहापौर की एक झलक पाने और इस अवसर पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को सुनने के लिए समर्थक बड़ी संख्या में पहुंचे थे। शाम को 4.41 बजे जब उद्धव ठाकरे पत्नी रश्मि और पुत्र आदित्य के साथ बीएमसी मुख्यालय ऑफिस पहुंचे तो ढोल नगाड़ों से उनका स्वागत किया गया। साथ ही पटाखे न फोड़ने की प्रशासन के निर्देश के बावजूद भी समर्थक पटाखे फोड़ते दिखे। कड़ी धूप भी समर्थकों के हौसले को कम नहीं कर सकी। शाम

तक समर्थकों की भारी भीड़ बीएमसी ऑफिस के सामने जुटी रही। भीड़ और गाड़ियों के काफिले के चलते सामान्य यातायात काफी हद तक प्रभावित रहा। सड़कों पर ट्रैफिक में फंसी गाड़ियों की लंबी कतार भी देखने को मिली। समर्थकों ने शिवसेना के निर्वाचित महापौर की स्वागत के लिए ढोल, तासे और नगाड़े बजाकर स्वागत किया।

## ठाणे मे ऑफिसर 1 लाख 60 हजार घूस लेते पकड़ाए

**ठाणे।** फार्मास्युटिकल कंपनी को प्रदूषण विभाग की एनओसी देने के एवज में 1 लाख 60 हजार की घूस स्वीकारने वाले ठाणे प्रदुषण नियंत्रण मंडल के दो अधिकारियों को ठाणे ऐंटि करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। फार्मास्युटिकल कंपनी के प्रतिनिधि ने प्रदूषण नियंत्र मंडल के वागले इस्टेट स्थित ऑफिस में एनओसी के लिए संपर्क किया था। एनओसी के लिए वहां कार्यरत रीजनल आफिसर अशोक देशमाने और फील्ड आफिसर अच्युत नंदवटे ने 1 लाख 60 हजार रुपये घूस की मांग की थी। घूस मांगे जाने की शिकायत ठाणे ऐंटि करप्शन ब्यूरो से की गई थी। जिसके बाद ब्यूरो के डेप्युटी एसपी अंकुश बांगर के नेतृत्व में मंडल के ऑफिस में जाल बिछाया गया और दोनों अधिकारियों को शिकायतकर्ता से 1 लाख 60 हजार रुपये की रिश्वत स्वीकारते रंगे हाथ पकड़ लिया। दोनों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

# आधी आबादी बनाम विकास

भारतीय संस्कृति में महिलाओं को ऊंचा दर्जा दिया गया है। मातृसत्ता इसी संस्कृति का हिस्सा रही है। बदलते समाज के साथ परस्पर सामंजस्य भरे जीवन में महिलाएं पुरुषों की हमकदम हैं। बगैर इस आधी आबादी के संतुलित और विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। यह भी सच है कि समाज विकसित होता गया, लेकिन जिस अनुपात में महिलाओं का विकास होना चाहिए था, नहीं हुआ। जहां विशेष वर्ग मानकर विशेष प्रयास किए जाएं, माना जाना चाहिए कि उस वर्ग का अपेक्षित विकास नहीं हुआ। महिलाओं के साथ भी यही हुआ है। आज उन्हें आरक्षण की दरकार है। उनके लिए विशेष योजनाओं की जरूरत है। कहना गलत नहीं होगा कि महिलाएं आज भी पुरुषों की बराबरी में खड़ी नहीं हो पाईं। इसके पीछे पर्दा प्रथा, लिंग भेद और पुरुष प्रधान मानसिकता जिम्मेदार है, जिसका शमन जरूरी है। यह तभी संभव होगा जब इस वर्ग को शिक्षित बनाया जाए। रोजगार देकर आर्थिक रूप से सबल बनाया जाए। साथ ही सियासत से लेकर प्रशासन तक उनकी पर्याप्त भागीदारी दर्ज कराई जाए। बिहार में शासन के स्तर पर इसका प्रयास दिखता है, जिसका परिणाम है लड़कियों और महिलाओं के बारे में लोगों की सोच बदली है। बेटियां भी अब बेटों की तरह महत्व पाने लगी हैं। पंचायत चुनाव और सरकारी नौकरियों में आरक्षण ने इनके महत्व को बढ़ा दिया। अब बहू-बेटियां भी गृहस्थी की कमाने वाले सदस्य के रूप में प्रतिष्ठापित हो रही हैं। जाहिर है, उनका सम्मान बढ़ा है। पंचायतों के माध्यम से महिलाएं विकास में योगदान दे रही हैं। घर की दहलीज लांघकर समाज को समझने और अपना स्थान बनाने का प्रयास कर रही हैं। इसका दूरगामी परिणाम होगा। विकास की राह पर संतुलन बनाए रखने के लिए आधी आबादी की राय-सहमति जरूरी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी महता को समझते हुए संसदीय प्रणाली में महिलाओं को आरक्षण देने के विचार पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा है कि जदयू इसका समर्थन करेगा। महिलाओं की राय पर बिहार ने पूर्ण शराबबंदी का ऐतिहासिक निर्णय लिया, जिसके सकारात्मक फलाफल सामने आ रहे हैं। विशेषकर महिलाओं के प्रति घरेलूकमी आई है। आर्थिक रूप से कमजोर तबके का अपव्यय न्यून हुआ है, जिससे गृहस्थी में सुधार आया है। राज्य सरकार का जेंडर बजट भी महिलाओं को सबल बनाएगा।

## सुविचार

# फिर निकला अयोध्या ढांचे का जिन्न

अयोध्या ढांचे के ध्वंस का जिन्न एक बार फिर बोतल से बाहर आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले के आपराधिक षड्यंत्र के आरोप से लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, विनय कटियार और अन्य दूसरे भाजपा नेताओं को तकनीकी आधार पर बरी किए जाने को कानून सम्मत नहीं मानने का संकेत दिया है। हालांकि अदालत का अंतिम फैसला नहीं आया है, लेकिन न्यायाधीशों के सवालों से लगता है कि इन नेताओं पर आपराधिक षड्यंत्र का भी केस चलेगा। आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी इस समय पार्टी के उस मार्गदर्शक मंडल के सदस्य हैं जिससे कोई सलाह नहीं लेता। दोनों राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति पद चुनाव की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से लगता है कि उनके लिए यह रास्ता भी बंद हो जाएगा। पार्टी इन पदों के लिए उन्हें उम्मीदवार बनाती या नहीं, यह प्रश्न अब प्रासंगिक नहीं रह गया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी संबंधित नेताओं के लिए आफत बनकर आई है तो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए राहत और मुश्किल दोनों। भाजपा इस मुद्दे को छोड़कर प्रधानमंत्री की विकास की राजनीति की ओर बढ़ना चाहती है, लेकिन लगता है कि अयोध्या ढांचे के ध्वंस का मुद्दा उसे छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। यह राहत की बात हो सकती है कि इन दोनों संवैधानिक पदों के लिए पार्टी नेतृत्व अपने बुजुर्ग नेताओं के नाम पर विचार न करने के आरोप से बच जाएगा, पर पार्टी के इन नेताओं पर बाबरी ध्वंस के आपराधिक साजिश में शामिल होने का आरोप पार्टी की छवि के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यह शायद महज इत्तेफाक ही है कि भाजपा के मौजूदा नेतृत्व मंडल में ऐसे लोग नहीं बचे हैं जिनका छह दिसंबर 1992 से कोई सीधा और सक्रिय संबंध हो। उमा भारती और विनय कटियार इसके अपवाद हैं। यह मुद्दा लोगों की स्मृति से धीरे-धीरे गायब हो रहा है।

अयोध्या ढांचे के ध्वंस के पीछे साजिश के मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी उत्तर प्रदेश के चुनाव के बीच आई। इसके बावजूद किसी दल ने इसे प्रतिक्रिया देने लायक भी नहीं समझा। रामजन्म भूमि आंदोलन 1974 के जेपी आंदोलन के बाद सबसे बड़ा जनआंदोलन था। छह दिसंबर 1992 को जो हुआ उसके बाद भाजपा की चार राज्य सरकारें (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली) बर्खास्त हो गईं। इस आंदोलन ने आडवाणी को भाजपा के बुद्धिजीवी नेता से लोकप्रिय नेता बना दिया और अटल बिहारी वाजपेयी को हाशिये पर धकेल दिया। इसी तरह मुलायम सिंह यादव को मुसलमानों का नेता बना दिया तो अशोक सिंघल, आडवाणी और कल्याण सिंह को हिंदू हृदय सम्राट। सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी ने लालकृष्ण आडवाणी की राष्ट्रपति भवन पहुंचने उम्मीद पर पानी फेर दिया है। इससे पहले अदालत की एक और कार्रवाई ने उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना के दरवाजे बंद कर दिए थे। 1995 में जैन हवाला कांड में नाम आने के बाद आडवाणी ने लोकसभा से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि वह इस आरोप से बरी होने के बाद ही संसद में आएंगे। उनके खिलाफ चार्जशीट दायर हो चुकी थी। ऐसे में उन्हें पता था कि वह प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होना तो दूर, 1996 का लोकसभा चुनाव भी नहीं लड़ पाएंगे। इसलिए नवंबर 1995 में भाजपा के मुंबई अधिवेशन के दौरान एक जनसभा में उन्होंने घोषणा कर दी कि भाजपा सत्ता में आई तो अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री होंगे। इस घोषणा से सबको हैरानी हुई थी। इससे आडवाणी ने न केवल अपना कद बढ़ा लिया, बल्कि मुरली मनोहर जोशी का रास्ता भी बंद कर दिया जो आडवाणी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दूसरी पसंद थे। सुप्रीम कोर्ट के नए संकेत ने एक बार फिर आडवाणी का रास्ता रोक दिया है। अयोध्या आंदोलन ने शाहबानो मसले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शुरू हुई सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता की बहस को अपने चरम पर पहुंचा दिया था। देश की राजनीति इन दो खेमों में बंट गई थी। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों ने धर्मनिरपेक्षता बनाम सांप्रदायिकता के मुद्दे को एक तरह से छोड़ दिया है। उसका बड़ा कारण यह है कि जैसे भाजपा को अयोध्या के मुद्दे पर वोट नहीं मिलते उसी तरह उसके विरोधी धर्मनिरपेक्षता के नारे पर मतदाताओं का समर्थन जुटाने में नाकाम हो रहे हैं। इसलिए एक नई बहस शुरू हुई है कि मोदी के आने से देश में बहुसंख्यकवाद का खतरा पैदा हो गया है और इसकी वजह से देश के मुसलमानों के लिए खतरा बढ़ गया है। भाजपा का तर्क है कि मुसलमानों के तुष्टीकरण के नाम पर हिंदुओं का उत्पीड़न नहीं किया जा सकता। यह बहस अभी चलने वाली है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का नतीजा इस बहस की आगे की दिशा तय करेगा। इसी से 2019 के लोकसभा चुनाव का एजेंडा तय होगा। राम मंदिर आंदोलन की दिशा और दशा तय करने में अदालतों की भी बड़ी भूमिका रही है। रामजन्म भूमि का मुद्दा 1949 से अदालत में है। अभी फैसला होना बाकी है। अयोध्या ढांचे के ध्वंस का मामला अभी निचली अदालत से ऊपर नहीं बढ़ा है। इसकी जांच के लिए एक आयोग भी बना जो डेढ़ दशक तक काम करने के बाद भी कुछ साबित नहीं कर पाया। अयोध्या ढांचे का ध्वंस और 1984 का सिख विरोधी दंगा हमारी जांच और न्याय व्यवस्था पर भी सवाल उठाता है। इन मामलों में तो न्याय देर से भी नहीं मिला। रामजन्म भूमि मामले में मुकदमा दायर करने वाले और बचाव करने वाले वादी-प्रतिवादी अब इस दुनिया में ही नहीं हैं। कितने गवाह दुनिया से विदा हो गए, इसका कोई हिसाब ही नहीं है। ये मामले जनमानस में बनी एक और धारणा की पुष्टि करते हैं कि बात जब बड़े और रसूख वालों की हो तो हमारी न्याय व्यस्था को जैसे सांप सूंघ जाता है। आडवाणी और दूसरे भाजपा नेताओं को आपराधिक षड्यंत्र से बरी करने के रायबरेली की सीबीआई कोर्ट के आदेश (जिसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बहाल रखा) के खिलाफ 2011 में सीबीआई सुप्रीम कोर्ट गई। उसी की सुनवाई अब जाकर हो रही है। उम्मीद करना चाहिए कि 2017 में इस मसले पर अदालत का फैसला आ जाएगा। रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद का मुकदमा छह दशक से ज्यादा समय से चल रहा है तो ढांचा ध्वंस के मामले को इस साल 25 साल हो जाएंगे। ये फैसले जिसके भी पक्ष या विरोध में हों, इतिहास की दिशा बदलने वाले हो सकते हैं। फैसला जब भी हो, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ढुलमुल न्याय व्यवस्था का इतिहास रचा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट यदि भाजपा नेताओं के खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र चलाने को फैसला सुनाता है तो देर से ही सही न्याय मिलता हुआ दिखेगा। यदि भाजपा नेता तकनीकी आधार पर बरी हो जाते तो न्यायिक फैसले पर हमेशा संदेह बना रहता।

# आत्मविश्वास

जीवन में आत्मविश्वास बेहद अहम है। आत्म शब्द आत्मा की शक्ति को परिलक्षित करता है। यह आत्म ही आत्मा का पर्याय है। आत्मा की शक्ति के निकलते ही जीवन समाप्त हो जाता है। प्रायः व्यक्ति में अधीरता बहुत जल्द व्याप्त होती है जो जीवंतता के मार्ग में बाधक है, जबकि धैर्य सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। आत्मविश्वास सबसे पहले हमें विवेक प्रदान करता है। आत्म के साथ जो विश्वास शब्द का मेल है, वह हमें चुनौतियों से जूझने की ताकत देता है और लक्ष्य के पथ पर चलने का मार्ग प्रशस्त करता है। विश्वास है तो बड़ा साधारण शब्द, लेकिन इसका जो मानक है, वह ब्रह्म से लेकर मानव में देखा जाता है। अगर हमारा अपने पर विश्वास न रहे तो हम अपने परिवार के साथ-साथ समाज के लिए भी निष्प्रयोज्य हो जाएंगे। कमजोर आत्मबल प्राय घातक बन जाता है और डिप्रेशन जैसी बीमारी से ग्रस्त कर देता है। त्रेता युग में भगवान राम अपने इसी आत्मबल से रावण जैसे शक्तिशाली शख्स को पराजित करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि आत्मबल के लिए भौतिक साधनों का भंडार जरूरी नहीं। आत्मविश्वास हमारी पूंजी है। यह पूंजी कभी न खत्म होने वाली पूंजी है। एक बार बैंक की पूंजी, परिवार की पूंजी और समाज की पूंजी खत्म हो सकती है, लेकिन जिसके पास यह पूंजी संचित है, वह पराजित नहीं सकता है। एक बार महात्मा गांधी से मिलने के लिए इंग्लैंड की तत्कालीन महारानी विक्टोरिया ने उन्हें इंग्लैंड आने के लिए आमंत्रित किया। गांधीजी घुटने तक की धोती पहनते थे। इंग्लैंड में महारानी के अधिकारियों ने उनसे कहा आप इस वेशभूषा में नहीं मिल सकते। आप कोट-पैंट और टाई पहन कर ही महारानी से मिल सकते हैं। आपके लिए यह व्यवस्था पहले से की गई है। इन कपड़ों को पहन लीजिए। गांधीजी ने अंग्रेजों का कपड़ा पहनने से इन्कार कर दिया और कहा कि हमारे भारत को आप लोगों ने गरीब और खोखला कर दिया है। हमारे देश के लोग गरीबी में रहते हैं। मैं जो पहनता हूं उसे नहीं बदल सकता। मैं इसी वेशभूषा में महारानी से मिलूंगा। यदि मेरी बात स्वीकार नहीं हो तो वापस चला जाऊंगा। जब यह जानकारी महारानी विक्टोरिया को दी गई तो अंतत महारानी को गांधीजी की शर्त माननी पड़ी। यह है आत्मविश्वास की शक्ति। यह भी सच है यह शक्ति सत्यपथ पर चलने से ही मिलती है।

# मनपा में विरोधी पक्ष नेता पद देने की कांग्रेस की मांग

राधिका यादव

**मुंबई ।** मनपा में विरोधी पक्ष नेता पद को लेकर कांग्रेस द्वारा प्रयत्न शुरू किया गया है । भाजपा के समर्थन से महापौर व उपमहापौर पद पर शिवसेना का कब्जा हो गया है । वहीं विरोधी पक्ष नेता को लेकर भाजपा द्वारा भूमिका स्पष्ट नही किया गया है । ऐसे में विरोधी पक्ष नेता पद कांग्रेस को देने की मांग कांग्रेस गटनेता रविराजा ने महापौर से पत्र द्वारा की है । गौरतलब है कि मनपा चुनाव में किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है । 84 सीट प्राप्त कर शिवसेना नंबर वन है जबकि दूसरे नंबर की पार्टी भाजपा को 82 सीटें मिली है । महापौर के चुनाव में भाजपा ने शिवसेना के उम्मीदवार को वोट दिया है जिसकी वजह से विश्वनाथ महाडेश्वर 140 मतो से जीतकर महापौर बन गए । वहीं तीसरे नंबर की पार्टी कांग्रेस ने विपक्ष के नेता पद पर दावा किया है । मनपा में कांग्रेस के 31 नगरसेवक हैं । पार्टी के गटनेता रविराजा ने इस संदर्भ में महापौर महाडेश्वर को पत्र भेजा है । जिसमे उन्होंने



कहा है कि मनपा अधिनियम के अनुसार दूसरे नंबर की पार्टी यदि सत्ता में सहयोगी है तो विपक्ष के नेता का पद तीसरे नंबर की विरोधी पार्टी के गटनेता को विपक्ष का नेता बनाया जाना चाहिए । मनपा में विपक्ष के नेता को वैधानिक अधिकार है । मनपा की कार्रवाई में विपक्ष के नेता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । महापौर कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक महापौर महाडेश्वर इस मामले में कानूनी सलाह लेने के बाद निर्णय लेंगे । इसमें काफी समय लग सकता है तब तक विपक्ष के नेता का पद रिक्त रहेगा।

## विवादित बयान देने वाले बीजेपी समर्थित एमएलसी निलंबित

**मुंबई ।** महाराष्ट्र विधान परिषद ने स्थानीय निकाय चुनाव के दौरान सैनिकों पर आपत्तिजनक बयान देने वाले सोलापुर से विधान पार्षद प्रशांत परिचारक को डेढ़ साल के लिए निलंबित कर दिया है । निर्दलीय पार्षद परिचारक को बीजेपी से समर्थन प्राप्त है । परिचारक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सदन की कार्यवाही 3 दिन तक बाधित रही । वहीं, सरकार की सहयोगी शिवसेना ने भी इस मुद्दे पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए परिचारक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी । सदन के नेता और मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने गुरुवार को कहा कि परिचारक ने सैनिकों के प्रति अपमानजनक बयान दिया है और इसमें सिर्फ माफी मांगना काफी नहीं है । अब विधान परिषद के अध्यक्ष रामराजे निम्बालकर की अध्यक्षता वाली कमिटी इस मामले की जांच करेगी।

### स्थायी व शिक्षण समिती अध्यक्ष पद के लिए आज भरे जाएंगे फॉर्म

# मनपा के विविध समितियों के चुनावों की घोषणा

**मुंबई ।** मनपा महापौर पद पर शिवसेना के विश्वनाथ महाडेश्वर व उप महापौर पदपर हेमांगी वरळीकर का चयन किया गया है । जिसके बाद अब मनपा की विविध वैधानिक व अन्य समितियो के अध्यक्ष पदों के चुनावों की तारीख घोषित की गयी है । वही आज स्थायी व शिक्षण समिती अध्यक्ष पद के लिए फॉर्म भरे जाएंगे । गौरतलब है कि महापौर व उपमहापौर चुनाव के बाद अब मनपा की वैधानिक समितियों सहित अन्य समितियों का चुनाव किया जाएगा । जिसके तारीखों की घोषणा की गयी है । जिसके अनुसार शुक्रवार 10 मार्च को स्थायी व शिक्षा समिती के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए आवेदन किया जाएगा । स्थायी समिती के लिए आशिष चेंबूरकर, मंगेश सातमकर और शिक्षा समिती के लिए शीतल म्हात्रे व शुभदा गुडेकर के बीच मुकाबला होने वाला है । मात्र इसमें से किसकी लॉटरी लगेगी यह समिती सभा में घोषित होने वाले रिजल्ट से स्पष्ट होने वाला है । स्थायी, शिक्षा, बेस्ट, सुधार, स्थापत्य, सार्वजनिक आरोग्य, बाजार व उद्यान, विधी व महिला व बालकल्याण इन समितीयो के अध्यक्षपद का चुनाव होने वाला है ।

(पृष्ठ 1 का शेष)

### बीजेपी के अच्छे...

उल्लेखनीय है कि 11 मार्च को मतगणना होगी। इंडिया न्यूज-एमआरसी और टाइम्स नाऊ वीएमआर के एक्जिट पोल के मुताबिक यूपी में बीजेपी को सर्वाधिक सीटें मिलने की संभावना बताई जा रही है। इंडिया न्यूज ने बीजेपी को जहां 185 और टाइम्स नाऊ ने 190-210 सीटें मिलने की संभावना जताई है। हालांकि एबीपी-लोकनीति सीएसडीएस के मुताबिक बीजेपी और सपा-कांग्रेस गठबंधन के बीच टक्कर के आसार हैं। कुल मिलाकर 403 सदस्यीय विधानसभा में इन पोलों के बहुमत के अनुसार बीजेपी नंबर वन पार्टी बन सकती है। इनके आधार पर ठऊळश के पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक यूपी में बीजेपी को सबसे ज्यादा 179 सीटें, सपा-कांग्रेस गठबंधन को 136 और बीएसपी को 77 सीट मिलने की संभावना है। पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक पंजाब में अकाली गठबंधन को सात, कांग्रेस 55 और आप को 54 सीटें मिलने का अनुमान है।दरअसल एक्जिट पोल के मुताबिक कांग्रेस को सर्वाधिक बढ़त दिखाई गई है। हालांकि इंडिया न्यूज-एमआरसी ने कांग्रेस और आप दोनों को 55-55 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया है। इंडिया टुडे-एक्सिस के ी७३ स्त्रङ्खक्ष के मुताबिक कांग्रेस को 62-71 सीटें मिलने की संभावना बताई गई है और इंडिया न्यूज-एमआरसी के मुताबिक कांग्रेस के खाते में 55 सीटें जाने की संभावना है। इन दोनों ही एक्जिट पोलों में अकाली दल-बीजेपी गठबंधन को 10 वर्षों के बाद सत्ता से बाहर होने की उम्मीद जताई जा रही है। उत्तराखंड उत्तराखंड में दो के मुताबिक तो बीजेपी को स्पष्ट बहुमत दिखाई जा रही है लेकिन इंडिया टीवी-सी वोटर के मुताबिक इन दोनों के बीच बराबर की टक्कर दिखाई गई है। इसके मुताबिक बीजेपी और कांग्रेस को बराबर 29-35 सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है। इस आधार पर ठऊळश पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक बीजेपी को 43, कांग्रेस को 23 और अन्य को चार सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। एक्जिट पोलों के मुताबिक बीजेपी को कांग्रेस की तुलना में बढ़त दिखाई जा रही है। ठऊळश के पोल ऑफ पोल्स में बीजेपी को 18 सीटें, कांग्रेस को 12 और अअढ को 3 सीटें मिलने का अनुमान है।इन आकलनों के आधार पर कहा जा सकता है कि इस राज्य में आप को उस तरह का फायदा मिलता नहीं दिख रहा जिसकी वह उम्मीद कर रही है।

### खुरसान का सरगना गौस...

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर दलजीत सिंह चौधरी ने बताया, "गौस 1978 में एयरफोर्स में था। 1993 में उसने नौकरी छोड़ दी थी। गौस ने पहचान बदलने के लिए अपना नाम करण खत्री कर लिया था। वो कानपुर के जाजमऊ इलाके में रहता था। "जीएम खान काफी समय से इस काम में लगा था। वो पुराना टेक्निकल मैन है। इसी से वो पुराने कनेक्शन स्थापित करता था। इस पूरे मॉड्यूल को प्रेरणा देना, लिटरेचर उपलब्ध कराना, आतंकी दिशा में ले जाने में जीएम खान का ही हाथ था।"दूसरा संदग्धि अजहर इटावा का रहने वाला है। वो हथियारों का सप्लायर था। अब बाकी चीजें इन्वेस्टिगेशन में साफ होंगी। एनकाउंटर के दौरान मारे गए आतंकी सैफुल्लाह के पिता मोहम्मद सरताज ने कहा है कि वो भी अपने बेटे से प्रेम करते थे, उसके गुमराह होने का पता ही नहीं चला। घर में सैफुल के नाम से पुकारे जाने वाले इस संदिग्ध आतंकी के पिता ने राजनाथ सिंह द्वारा उन्हें संसद में याद किए जाने पर कहा- उन्होंने हम जैसे छोटे आदमी को याद किया, इसके लिए हम शुक्रगुजार हैं। सरताज ने कहा- सरकार को वॉट्सऐप जैसी चीजों पर फौरन रोक लगानी चाहिए।- सैफुल्लाह के पिता ने आगे कहा, "आतंकियों का कोई मजहब नहीं होता। फिर चाहे वो हिंदू परिवार से हो या मुस्लिम परिवार से। बचपन से नजर रखें तो बच्चों बचाया जा सकता है। उसके पास जो मोबाइल था, उसमें स्क्रीन नहीं थी। वो सिर्फ बटन दबाता रहता था।एक बात मैं जरूर कहना चाहता हूं कि मोबाइल पर वॉट्सऐप वगैरह की वजह से बच्चे गलत संगत में पढ़ जाते हैं। मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि वो इस तरह की चीजों पर फौरन रोक लगाए। पुलिस के मुताबिक, संदिग्धों ने इसी से प्रभावित होकर 'खुरासान' नाम का ग्रुप तैयार किया। यूपी के एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) दलजीत सिंह चौधरी ने बताया कि इन लड़कों ने सोशल मीडिया के जरिए ही अपना ग्रुप खड़ा किया। पुलिस ये भी दावा कर रही है कि सोशल मीडिया के जरिए ही ये लोग एक-दूसरे के कॉन्टैक्ट में रहकर ही आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। इस्लामिक स्टेट ने 2020 तक भारत समेत दुनिया के कई देशों पर कब्जे का प्लान तैयार किया है। इसके तहत आईएस यूरोप, चीन, भारत और नॉर्थ अफ्रीका तक अपना राज फैलाना चाहता है। अपने मंसूबे को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आईएस ने एक नक्शा बनाया है। नक्शे में स्पेन, पुर्तगाल और फ्रांस के हिस्से को अरबी में 'अंदालुस' नाम दिया गया है। इस पर 'मूरों' ने आठवीं से 15वीं सदी के बीच कब्जा किया था, जबकि भारत समेत एशिया के बड़े हिस्से को 'खुरासान' नाम दिया गया है।

### आईसीसी का बड़ा ऐलान...

क्रिकेट शुरू करने के लिए आयोजित किया जाएगा। इस फैसले से विदेशी टीमो को पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने के लिए आमंत्रित करने वाली जो पीसीबी की मुहिम थी उसको बल मिला है।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के शीर्ष अधिकारी नजम सेठी ने इसकी पुष्टि की है। पीसीबी के कार्यकारी बोर्ड के प्रमुख नजम सेठी ने कहा है कि विश्व एकादश 22 से 29 सितंबर के बीच लाहौर में चार टी-20 मैच की सीरीज खेलेगी। सेठी ने कहा कि पीसीबी ने इस दौरे को लेकर अब तक गोपनीयता बरती थी क्योंकि उसे लाहौर में पाकिस्तान सुपर लीग के फाइनल के सफल आयोजन का इंतजार था। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस साल हमें पाकिस्तान में और अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट देखने को मिलेगा। इसके अलावा पीसीबी ने कहा है कि वह इस साल पाकिस्तान में खेलने के लिए बांग्लादेश और श्रीलंका के संपर्क में है क्योंकि पाकिस्तान को अक्टूबर में श्रीलंका की मेजबानी करनी है इसलिए वह श्रीलंका बोर्ड को मनाने की कोशिश कर रहा है कि वे इस सीरीज के कुछ मैच पाकिस्तान में खेलें। पीसीबी के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि विश्व एकादश दौरा चार्ल्स जाइल्स क्लार्क के प्रयासों से संभव हो पा रहा है जो पाकिस्तान क्रिकेट पर आईसीसी के विशेष कार्यबल के प्रमुख हैं।

# आखिर कितना विश्वसनीय होता है चुनाव के बाद किया गया एग्जिट पोल

चार फरवरी से पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं और सभी को इंतजार है उस एग्जिट पोल का जिसमें काफी हद तक इस बात की संभावना बनेगी कि कौन से राज्य में किसकी सरकार बनने जा रही है। हालांकि, पहले एग्जिट पोल का प्रसारण 8 फरवरी को ही होना था लेकिन 9 मार्च को यूपी और उत्तराखंड की एक-एक विधानसभा सीट पर मतदान होने के चलते इसे एक दिन के लिए टाल दिया गया। चुनाव खत्म होने के बाद हर कोई इस बात को जानने को उत्सुक होता है कि उन राज्यों में हुए चुनाव में आखिर किसकी लहर है और कौन सरकार बना रहा है। इसी को लेकर लोगों के ओपिनियन के आधार पर मतदान के बाद अलग-अलग एजेंसियों की तरफ से एग्जिट पोल कराया जाता है। ताकि, इस बात का पता लगाया जा सके कि वहां पर किसको बढ़त मिल रही है और वाकई में किस पार्टी की क्या स्थिति रहनेवाली है।

**2014 के लोकसभा चुनाव में सच साबित हुआ एग्जिट पोल**

साल 2014 के लोकसभा चुनाव में सभी पार्टियों की तरफ से एनडीए को बढ़त दिखाई गई। एग्जिट पोल में यह कहा गया था कि भाजपा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। हुआ भी बिल्कुल ऐसे ही। इस चुनाव में कुल 543 सीटों में से भाजपा को अकेले 282 सीटें मिली थी जबकि एनडीए ने कुल 334 सीटों पर जीत हासिल की थी। तो वहीं, कांग्रेस सिर्फ 44 सीटों पर सिमट कर रह गई थी।

**एग्जिट पोल कितना सही?**

एग्जिट पोल के बाद काफी हद तक किसी चुनाव की तस्वीर निकलकर सामने आ जाती है क्योंकि इसका प्रसारण सभी चरणों के मतदान खत्म होने के बाद किया जाता है। कई बार एग्जिट पोल काफी हद तक सटीक बैठा और जितनी सीटें पार्टी को दी गई करीब-करीब उतनी सीटें उन्हें मिली भी। लेकिन, कई बार ऐसा भी हुआ जब एग्जिट पोल कोरी बकवास साबित हुआ। जिसके बाद बौतरफा ऐसे एग्जिट पोल पर सवाल उठने लगे।

**पांचों राज्य में कड़ा मुकाबला**

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा, सपा-कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच है। जबकि, पंजाब की 117 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में मुख्य मुकाबला अकाली-भाजपा गठबंधन, कांग्रेस और पहली बार चुनाव लड़ रही आम आदमी पार्टी के बीच है। 70 सदस्यीय उत्तराखंड विधानसभा के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला है। पिछली बार यहां पर मामूल अंतर से कांग्रेस की सरकार बनी थी। लेकिन इस बार कांग्रेस के लिए उसे दोहराना शायद आसान ना हो।

**गोवा और मणिपुर में भी दिलचस्प मुकाबला**

भाजपा शासित 40 सदस्यीय गोवा में इस बार का नतीजे इसलिए दिलचस्प है क्योंकि यहां के चुनाव में पहली बार पंजाब के साथ ही यहां के चुनाव में भी आम आदमी पार्टी अपना किस्तम आजमा रही है। जबकि, 60 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के ओकराम इबोबी सरकार को को भाजपा और इरोम शर्मिला से कड़ी टक्कर मिली है।

# पांच महीने में 23 गुना बढ़ी CM चंद्रबाबू नायडू के बेटे की संपत्ति

एक तरफ कहा जाता है कि नोटबंदी की वजह से व्यापार और कमाई में भारी गिरावट की आई है वहीं आंध्रा प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे और युवा नेता नारा लोकेश की कमाई में इस दौरान भारी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है।

चंद्रबाबू नायडू के बेटे और तेलगू देशम पार्टी के महासचिव नारा लोकेश जल्दी ही अपने पिता की कबिनेट में शामिल होने वाले हैं। नारा लोकेश ने सोमवार को चुनाव आयोग में जो हलफनामा दिया है उससे ही खुलासा हुआ है कि नोटबंदी के दौरान उनकी संपत्ति में भारी बढ़ोत्तरी हुई है।

युवा नेता नारा लोकेश ने एमलसी का चुनाव लड़ रहे हैं और इस बाबत अपना पर्चा दाखिल करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग में जो हलफनामा दाखिल किया है उसमें दिखता है कि नोटबंदी के पांच महीनों के दौरान उनकी संपत्ति में करीब 23 गुना वृद्धी हुई है।

अक्टूबर 2016 में लोकेश ने अपनी संपत्ति से जुड़ा जो हलफनामा चुनाव आयोग में दिया था उसमें उनकी कुल संपत्ति 14.5 करोड़ रुपये थी वहीं सोमवार को दाखिल किए गए अपने हलफनामे में उन्होंने अपनी संपत्ति 330 करोड़ रुपया दिखाया है।

बीते साल 19 अक्टूबर को लोकेश ने अपनी चल और अचल संपत्ति की घोषणा की थी,

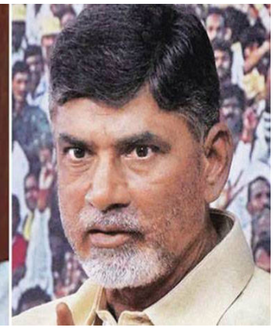

उस घोषणा के मुताबिक तब उनके पास पास कुल 14 l5 करोड़ रुपए की संपत्ति थी, इसमें हैरिटेज फूड्स के 2.52 करोड़ रुपए के शेयर, अन्य कंपनियों में 1.64 करोड़ के शेयर और 93 लाख रुपए की कार शामिल थे।

वहीं, एमएलसी चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर को जमा किए गए हलफनामे के मुताबिक, उनके पास कुल 330 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 330 करोड़ की इस संपत्ति में परिवार द्वारा संचालित हेरिटेज फूड्स में 273.84 करोड़ रुपए के शेयर्स, 18 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति और 38.52 करोड़ रुपए की पुश्तैनी संपत्ति शामिल है। इसके अलावा उन्होंने 6.35 करोड़ रुपयों की देनदारी घोषित की।

राज्य की विपक्षी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री को घेरना शुरू कर दिया है। वाईएसआर कांग्रेस ने आरोप लगया है कि नयाडू परिवार को नोटबंदी की जानकारी पहले से थी और इस जानकारी का फायदा मुख्यमंत्री के बेटे ने उठाया है।

# राजनीति करते हो, गेट आउट: बेटी की मौत का मामला लेकर पहुंचे पिता से CM ने कहा

झारखंड के सीएम रघुबर दास बीजेपी महिला मोर्चा के प्रोग्राम में पहुंचे। सुसाइड करने वाली एक लड़की के पिता वहां पहले से मौजूद थे। सीएम को देखते ही वे रोने लगे। दास ने पहले उन्हें समझाया, कहा- इंसाफ मिलेगा, लेकिन जब लड़की के पिता मानने को तैयार नहीं हुए तो सीएम को गुस्सा आ गया। कहा, राजनीति करते हो! गेट आउट, गेट आउट। इंटरनेशनल वुमन्स डे पर था प्रोग्राम।

☞ दरअसल, इंटरनेशनल वुमन्स डे पर बुधवार को हरमू में बीजेपी महिला मोर्चा ने एक प्रोग्राम ऑर्गनाइज किया था। सीएम रघुबर दास उसी में शिरकत करने पहुंचे थे।

☞ प्रोग्राम में हाल ही में सुसाइड करने वाली इछ्छा सिंह के पिता संजय सिंह भी बाकी फैमिली मेंबर्स के साथ मौजूद थे।

☞ सीएम को देखते ही संजय और बाकी फैमिली मेंबर्स जोर-जोर से रोने-चिल्लाने लगे। पिता सीएम से बोले, मेरी बेटी की हत्या कर दी गई और आप यहां दुमन्स डे मना रहे हैं। मौज कर रहे हैं। पुलिस भी अराधियों से मिली हुई है।

☞ इस पर सीएम ने पहले तो उन्हें समझाया। कहा, आपको इंसाफ मिलेगा। लेकिन जब पिता मानने को तैयार नहीं हुए तो सीएम का गुस्सा फूट पड़ा।

**पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में आई है चुसाइड की बात**

☞ पिछले हफ्ते गुरुवार को यहां लालपुर स्थित कोचिंग इंस्टीट्यूट के हॉस्टल में मेडिकल की तैयारी कर रही इछ्छा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सुसाइड करने की बात सामने आई है।

☞ शनिवार को इछ्छा की रूम पार्टनर ने बताया कि मौत से ठीक एक घंटे पहले वो एक लड़के से बातचीत कर रही थी। इसके बाद लड़के ने इछ्छा की रूम पार्टनर को भी फोन किया था और कहा था कि उसकी दोस्त कुछ कर लेगी, उसे बचाओ। लड़की के दोस्त ने उसके रूम पार्टनर को किया था फोन

☞ इछ्छा की रूम पार्टनर सपना (बदला हुआ नाम) ने पुलिस को बताया है, गुरुवार रात 8 बजे 15-20 छात्राएं हॉस्टल के स्टडी रूम में थीं। इछ्छा भी वहां थी। पांच मिनट बाद वह चली गई। थोड़ी देर बाद उसके दोस्त मनीष का फोन मेरे मोबाइल पर आया।

☞ मनीष ने बताया कि उसके और इछ्छा के बीच कुछ विवाद हो गया है। इछ्छा कह रही है कि मैं फांसी लगा लूंगी। तब मैंने मनीष से कहा कि तुम हर बार उससे लड़ते हो और यही बात कहते हो।

☞ यह कह कर मैंने फोन काट दिया और पढ़ने लगी। रात 8.30 बजे रटडी और डिनर के बाद सभी छात्राएं अपने-अपने कमरे में चली गईं। मैं भी कमरे की ओर गई। दरवाजा अंदर से बंद था। जोर से खटखटाने पर भी अंदर से कोई आवाज नहीं आई। तब बाकी लड़कियां भी वहां आ गईं। सभी लड़कियां कमरे के पीछे वाली खिड़की के पास गईं और उसे खोल कर कमरे में झांका तो इछ्छा फंदे पर लटकी दिखी।

**चार लोगों के खिलाफ पिता ने दर्ज कराई है एफआईआर**

☞ रूम पार्टनर सपना के मुताबिक, रहमने इसकी इन्फॉर्मेशन हॉस्टल के ऑपरेटर को दी। वे भागते हुए पहुंचे। नहीं खुलने पर दरवाजा को धक्का मार कर खोला।

☞ इछ्छा को फंदे से नीचे उतारा गया और रिम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे डेड घोषित कर दिया।

☞ इछ्छा के पिता ने लालपुर थाने में कोचिंग इंस्टीट्यूट के 3 ऑपरेटर्स समेत डालटनगंज में रहने वाले मनीष अग्रवाल उर्फ राज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

# बिजनेस में बढ़े सलमान के कदम अब मोबाइल लॉन्च करने की तैयारी

अपनी अगली ब्लॉकबस्टर के लिए सलमान खान एक बार फिर छोटी स्क्रीन पर बड़ा दांव लगाने जा रहे है। नहीं, इस बार वह किसी रियलिटी शो को जज नही करेंगे ना ही कोई शो होस्ट करने की तैयारी में हैं।

खबर है कि इस बार सलमान खान ने गैजेट्स की दुनिया में हाथ आजमाने का फैसला किया है। इकॉनमिक टाइम्स की एक खबर के मुताबिक, सलमान खान जल्द ही एक नए वेंचर में उतरने का मन बना रहे हैं। जी, उनका अगला कदम होगा स्मार्टफोन बनाने का।

**चल रही है डील की बात**

मेगा स्टार सलमान खान ने बॉलीवुड में कई बड़ी हिट्स दी हैं। लेकिन इस सफलता के साथ ही वह बिजनेस बढ़ाने पर भी ध्यान दे रहे हैं।

अपने स्मार्टफोन उद्योग के लिए सलमान खान बड़े निवेशकों के साथ डील करने की तैयारी में लगे हुए हैं, जिसमें शेयर होल्डर या तो उनका परिवार रहेगा या फिर वह खुद। सलमान के एग्जिक्यूटिव्स ने बताया कि मोबाइल मार्केट में उतरने का उनका मन पिछले दो साल से था।

**करवाया बीइंगस्मार्ट को रजिस्टर**

बीइंग ह्यूमन के ब्रांड मालिक बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने मिडल मार्केट सेगमेंट में अपने स्मार्टफोन के लिए बीइंगस्मार्ट ट्रेडमार्क को रजिस्टर कराया हैं। उन्होंने चीनी कंपनी और शुरुआती फोन के मॉडल्स भी सिलेक्ट कर लिए हैं जो एंड्रॉइड पर चलेंगे और 20,000 रुपये से कम की लागत में आएंगे।

**कमाई से होगी चैरिटी**

बताया जा रहा है कि शुरूआत में ये फोन ऑनलाइन सेल के जरिए मिलेंगे। बाद में इनके लिए रिटेल चेन के साथ साझेदारी होगी। ये भी खबर है कि बीइंगस्मार्ट फोन चीनी कंपनियों के फोन को कड़ी टक्कर देगा।

बीइंग ह्यूमन एपैरल लाइन की ही तरह, स्मार्टफोन की सेल से मिलने वाली राशि को चैरिटी और सामाजिक कार्यों में लगाया जाएगा।

# अरविंद केजरीवाल के 'जिंदा खा जाएगा' वाले बयान पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा- सीधे मुझसे बात करें

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। अपने फेसबुक पोस्ट में रॉबर्ट वाड्रा ने लिखा है कि अरविंद केजरीवाल को उनका अजीब-सा वहम है। वे उनके नाम का बार-बार जिक्र करते हैं। वाड्रा ने लिखा है कि वे उन पर आरोप लगाने के बजाय उनसे सीधे बात करें। वाड्रा ने लिखा है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की डिक्शनरी में 'रॉबर्ट वाड्रा' सबसे पसंदीदा शब्द है। उनका कहना है कि रॉबर्ट वाड्रा 'उन्हें जिंदा खा जाएगा', यह उनके अजीब से जुनून को ही दर्शाता है। मैं दिल्ली के सीएम से कहना चाहता हूं कि वे लोगों को भड़काने के बजाय सीधे

मुझसे बात करें। मेरे खिलाफ जो शिकायतें उनके मन में हैं, वे मुझसे कहें। फिर भी दिल्ली के मुख्यमंत्री को उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

रॉबर्ट वाड्रा ने फेसबुक कमेंट के साथ एक खबर को शेयर किया है। जिसमें अरविंद केजरीवाल के मंगलवार को विधानसभा में दिए बयान का जिक्र किया गया है। इसमें अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी पर आप के मंत्री सतेंद्र जैन को फंसाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। इसमें केजरीवाल ने कहा है कि पीएम सिर्फ सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करा सकते हैं, शीला दीक्षित को नहीं, अगर पीएम नरेंद्र मोदी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक्शन ले लिया तो मैं मानूंगा उनका 56 इंच का सीना है। इसके बाद केजरीवाल ने कहा कि अगर पीएम ने वाड्रा के खिलाफ कुछ एक्शन लिया तो 'वाड्रा उन्हें जिंदा खा जाएगा'। केजरीवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी पर दिल्ली की हार का बदला लेने का आरोप लगाया । गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल ने रॉबर्ट वाड्रा पर पहले भी निशाना साधा है। उन्होंने रॉबर्ट वाड्रा पर हरियाणा में लैंड डील को लेकर आरोप लगाए थे, जिस दौरान हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी। हालांकि रॉबर्ट वाड्रा का यह फेसबुक अकाउंट वैरिफाइड नहीं है। एनडीटीवी इसकी पुष्टि नहीं करता। यह खबर पूरी तरह से इसी पोस्ट के आधार पर लिखी गई है।

# दिल्ली पुलिस ने जारी किया अलर्ट, खुरासान गुट के दो आतंकियों के आने का शक, संसद की भी सुरक्षा बढ़ाई गई

दिल्ली पुलिस ने राजधानी में अलर्ट जारी किया है। दरअसल, खुरासान गुट के दो फरार आतंकियों के दिल्ली की ओर आने का शक जताया जा रहा है। इसके बाद पहाड़गंज और उसके आसपास के होटलों में गहन चैकिंग जारी है। संसद भवन, मंदिरों और ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आतंकियों के पास विस्फोटक होन की भी संभावना जताई गई है। सभी डीसीपी को निर्देश दिए गए थे धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें। आशंका है कि ये आतंकी होली के दौरान गड़बड़ी फैला सकते हैं और इनका निशाना भीड़भाड़ वाली जगह हो सकती हैं। ये संदिग्ध आतंकी बाराबंकी, बनारस और सारनाथ के धार्मिक स्थलों में हमला करने की फिराक में हैं। सभी जगह सुरक्षा बढ़ाई गई है। मोहम्मद फैसल के लैपटॉप से कुछ वीडियो मिले हैं। ये प्रेशर कुकर बम और मोबाइल बम बनाने के वीडियो हैं। सूत्रों के मुताबिक- सैफुल्ला के साथियों की तलाश उत्तर प्रदेश की पुलिस कर रही है। कानपुर और उसके आसपास कई जगह दो संदिग्धों की तलाश के लिए छापे भी मार रही है। दो संदिग्ध आतंकवादियों मोहम्मद फैसल खान और फखरे आलम को उनके ठिकानों से (कानपुर और इटावा से) गिरफ्तार किया गया। फैसल के बड़े भाई मोहम्मद इमरान को भी एक अलग ऑपरेशन के दौरान उन्नाव से गिरफ्तार किया गया और एटीएस ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी थी, लेकिन दो लोगों की तलाश अभी चल रही है।

# UP-उत्तराखंड की 2 सीटों पर वोटिंग पूरी, अलापुर में 59.10% मतदान हुआ

पंजाब और गोवा समेत 5 राज्यों में असेंबली इलेक्शन की प्रोसेस पूरी हो चुकी है। यूपी की अलापुर और उत्तराखंड की कर्णप्रयाग सीट पर गुरुवार को वोट डाले गए। दोनों सीटों पर कैंडिडेट्स की अचानक मौत होने के बाद इलेक्शन कराया गया था। जिसके बाद 15 फरवरी होने वाली वोटिंग टाली गई थी। अलापुर में 59 l10 फीसदी वोट डाले गए। इन सीटों की क्या है स्थिति।

▶ अंबेडकरनगर जिले की इस सीट से सपा कैंडिडेट चंदरशेखर कनौजिया मैदान में थे, उनकी मौत हो गई। फिलहाल अलापुर सीट सपा का कब्जा है।

▶ यहां के 3 लाख 23 हजार वोटर और 10 कैंडिडेट्स हैं

उत्तराखंड- कर्णप्रयाग

▶ चमोली जिले की इस सीट पर वोटिंग हुई। हालांकि, इस दौरान बर्फबारी भी हुई।

▶ बीएसपी ने ज्योति कनवासी, कांग्रेस ने मौजूदा विधायक अनुसूईया प्रसाद मैखुरी, बीजेपी ने सुरेंद्र नेगी और भाकपा ने इंद्रेश मैखुरी को उतारा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# इस पिता पर नाज है -राजनाथ

**नई दिल्ली।** संसद के बजट सेशन का दूसरा पार्ट गुरुवार से शुरू हो गया। इससे पहले सुबह पीएम ने उम्मीद जताई कि इस सेशन में चर्चा का स्तर बेहतर रहेगा और जीएसटी का रास्ता साफ होगा। राज्यसभा की कार्यवाही दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि देने के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित हो गयी। वहीं, लोकसभा में एमपी ट्रेन ब्लास्ट, लखनऊ एनकाउंटर और यूएस में भारतीयों पर हुए हमले मुद्दे पर बहस हुई। इस दौरान होम मिनिस्टर राजनाथ सिंह ने बयान भी दिया। उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले की जांच एनआईए करेगी। वहीं, उन्होंने लखनऊ में मारे गए संदिग्ध आतंकी सैफुल्लाह के पिता के बयान का हवाला भी दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को उन पर नाज है। बता दें कि सरताज ने अपने बेटे की लाश लेने से मना कर दिया है। ब्लास्ट की जांच एएनआई करेगी. राजनाथ सिंह ने अपने बयान में कहा, "एटीएस ने कानपुर, लखनऊ, इटावा और मध्य प्रदेश के कई शहरों से 6 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया। सैफुल्ला ने एटीएस पर फायरिंग की। उसके बाद ही कार्रवाई की गई है। पूरा घटनाक्रम राज्य पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच तालमेल की अच्छी मिसाल है। दोनों राज्यों की पुलिस ने फौरन कार्रवाई की और देश पर आने वाली बड़ी परेशानी को टालने में कामयाबी हासिल की। इस पूरे मामले की जांच एनआईए करेगी। मैं यहां पर इस बात को बताना भी आवश्यक समझता हूं कि जब उत्तर प्रदेश पुलिस सैफुल्लाह के पिता सरताज से मिल कर उसकी लाश को सौंपने के बारे में कहा, तब उसके पिता ने कहा- जो देश का न हुआ, मेरा कैसे हो सकता है? उसने कोई सही काम तो किया नहीं। मुझे उसका मरा हुआ मुंह तक नहीं देखना है। मैंने पूरी जिदंगी मेहनत की और परिवार को पाला है। लेकिन सैफुल्लाह ने मुझे शर्मिन्दा कर दिया। हर किसी के लिए देश पहले है। वह देश का नहीं हो सका, इसलिए वह मेरा भी नहीं हो सकता है। आगे राजनाथ ने कहा- इसलिए मैं सरकार की तरफ से भी सरताज के प्रति पूरी सहानुभूति व्यक्त करता हूं। मैं समझता हूं कि पूरा सदन सैफुल्लाह के पिता सरताज के प्रति सहानुभूति व्यक्त करना चाहिए, क्योंकि सरकार को उन पर नाज है। 7 मार्च की सुबह एमपी के शाजापुर में भोपाल-पैसेंजर ट्रेन में कएऊ ब्लास्ट हुआ। इसमें 10 लोग घायल हुए। इसे देश में मौजूद करकर मॉड्यूल का पहला हमला माना गया। ब्लास्ट के बाद उसी दिन दोपहर को एमपी पुलिस ने पिपरिया के एक टोल नाके से बस रोककर चार सस्पेक्ट पकड़े। इनकी गिरफ्तारी के बाद कानपुर से दो और इटावा से एक संदिग्ध अरेस्ट हुआ। इन संदिग्धों से मिली इन्फॉर्मेशन और इंटेलिजेंस इनपुट के बाद यूपी एटीएस ने लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में एक घर को घेर लिया। यहां आईएसआईएस का संदिग्ध आतंकी सैफुल्लाह छिपा बैठा था। उसकी उम्र 22 से 23 साल के बीच थी। वह कानपुर का रहने वाला था। उसने सरेंडर करने से मना कर दिया। 11 घंटे चले एनकाउंटर के बाद उसे मार गिराया गया। उसके घर से 8 रिवॉल्वर, 650 कारतूस, कई बम और रेलवे का मैप मिला। एनकाउंटर के बाद उसके पिता ने शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि बेटे ने देश से गद्दारी की। गद्दारी करने वाले का पिता कहलाने में मुझे जिल्लत महसूस होती है। ट्रेन ब्लास्ट मामले में आईएस का हाथ होने को लेकर यूपी पुलिस और मध्य प्रदेश सरकार के बयानों से नया विवाद पैदा हो गया है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा था कि आईएस ने ब्लास्ट को अंजाम दिया है। पकड़े गए आतंकियों ने बम के फोटो सीरिया भेजे थे। इधर, बुधवार को लखनऊ में आतंकी सैफुल्लाह के एनकाउंटर के बाद यूपी के एडीजी दलजीत चौधरी ने कहा कि आतंकियों के आईएस से सीधे जुड़े होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। हालांकि, उन्होंने भी माना कि आतंकी आईएस से इन्सपायर्ड थे। उन्होंने बताया कि ब्लास्ट के बाद जो सबूत मिले हैं, उन पर अल्लाह और आईएसआईएस लिखा पाया गया।

## यूपी में बनेगी बीजेपी की सरकार-केशव प्रसाद मौर्य

**लखनऊ।** यूपी ही नहीं बल्कि पूरे देश को इंतजार है कि यूपी में इस बार चुनावी नतीजे किस करवट बैठेंगे उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश में बीजेपी सरकार बनने का दावा किया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि सरकार बनने के बाद पिछली सरकारों के कामकाज की जांच और गड़बड़ी मिलने पर कड़ी कार्रवाई भी करेंगे। एबीपी न्यूज ने खास बातचीत में मौर्य ने कहा, बीजेपी की सरकार बनने के बाद उत्तर प्रदेश में जो गुंडागर्दी है, अराजकता है, धवस्त कानून व्यवस्था है. इस सब से बाहर आकर एक सुशासन आ जाएगा। प्रदेश में बीजेपी के मुख्यमंत्री में क्या खूबियां होनी चाहिए इसके इस सवाल के जवाब में मौर्य ने कहा, देश के 14 राज्यों में हमारी सरकार है। हम यूपी के लिए ऐसा मुख्यमंत्री चाहते हैं जो यूपी मे विकास की दृष्टि से काम कर। उन्होंने कहा,यूपी का सीएम जो भी होगा वह विकास करने वाला, सुशासन देने वाला और यूपी की जनता की भलाई के लिए खुद को समर्पित करने वाला होगा। जब केशव प्रसाद मौर्य से पूछा गया कि क्या आपके अंदर ये सभी खुबिंया हैं तो उन्होंने कहा, मैं एक कार्यकर्ता के नाते यह मानता हूं कि प्रदेश में मुझे अध्यक्ष बनाकर सीएम बनाने की जो जिम्मेदारी दी गई है उसे मैं पूरा करूंगा। एक्सप्रेस वे, डायल 100 और मेट्रो प्रोजेक्ट पर मौर्य ने कहा, सरकार बनने के बाद क्या बंद कर देंगे और क्या नहीं इसका फैसला बाद में किया जाएगा. अगर डायल 1090 सिर्फ प्रचार के लिए किया गया है और इससे जनता का कोई फायदा नहीं हुआ है तो इनकी समीक्षा की जाएगी और गलती पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। मौर्य ने कहा कि साल 2014 की तरह ही इस बार भी जनता ने बीजेपी को आशिर्वाद दिया है।

## पुलवामा में मुठभेड़ जारी, लश्कर के दो आतंकवादी ढेर, एक नागरिक की मौत

**पुलवामा।** कश्मीर में पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके में मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने लश्कर के दो आतंकवादी ढेर कर दिए हैं. हालांकि मुठभेड़ अभी भी जारी है. मुठभेड़ के दौरान एक नागरिक की मौत भी हो गई है. पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों ने तड़के करीब ढाई बजे अवंतीपोरा के पडगामपोरा इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने सुबह करीब चार बजकर 40 मिनट पर सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी. सुरक्षाबलों ने भी इस पर जवाबी कार्रवाई की. आतंकवादी आसपास स्थित दो घरों में छिपे हैं. अधिकारी ने कहा कि एक घर के बाहर एक संदिग्ध गिरा पड़ा है. लेकिन इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी कि संदिग्ध आतंकी मर चुका है या जख्मी है. उन्होंने कहा कि सुरक्षा अधिकारियों ने घर में छिपे आतंकवादियों में से एक की मां को भी मौके पर बुलाया ताकि उसे आत्मसमर्पण के लिए मनाया जा सके लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया. इस बीच, अधिकारियों ने बनिहाल और श्रीनगर के बीच रेल सेवा स्थगित कर दी है. इस बात की आशंका थी कि आतंकी दक्षिण कश्मीर के इस रेलमार्ग से गुजरने वाली ट्रेन को निशाना बना सकते हैं।

# दो घंटे चली मुठभेड़, कोबरा जवानों ने 6 नक्सलियों को मार गिराया

**गया।** नवादा के सिरदला थाने के थमकोल जंगल में दो घंटे चली मुठभेड़ के बाद कोबरा जवानों ने बुधवार को छह नक्सलियों को मार गिराया। इसमें दो नक्सली सब जोनल कमांडर हैं। मौके से चार नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं जबकि दो शव नक्सली अपने साथ लेकर भागने में सफल रहे। ऑपरेशन के बाद घटनास्थल से एक एके-47, दो इंसास और एक एसएलआर समेत चार अत्याधुनिक हथियार मिले हैं। दो जोनल कमांडर मारे गए छह नक्सलियों को ढेर करने के बाद भी कोबरा का ऑपरेशन देर रात तक उनके भागने की दिशा में जारी रहा। कोबरा के एक अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान मारे गए नक्सलियों में चार के शव मिले हैं। दो से तीन शव लेकर नक्सली भाग निकलने में सफल रहे। मारे गए नक्सलियों में सबजोनल कमांडर दीपक उर्फ अनिल (वजीरगंज, गया), सबजोनल कमांडर नेपाली (रजौली) संगठन के मिलिट्री दस्ता का राजेश और उत्तम शामिल है। 50 की संख्या में जुटे थे नक्सली कोबरा-205 की टीम को बुधवार की सुबह करीब छह बजे सूचना मिली थी कि विध्वंसक घटना को अंजाम देने के मकसद से नक्सली 50 से अधिक की संख्या में बसकटवा के बीहड़ जंगल में जुटे हैं। इसके बाद कोबरा जवानों ने बसकटवा इलाके की घेराबंदी की। इसी क्रम में कोबरा जवानों को देख नक्सलियों ने उनपर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। कोबरा ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान नक्सली भागकर सीमावर्ती नवादा के थमकोल जंगल पहुंच गए। करीब दो घंटे तक आक्रामक ऑपरेशन में जवानों ने छह नक्सलियों को मार गिराया। पीछे हटे माओवादी छह साथियों के मारे जाने के बाद नक्सलियों ने सुरक्षात्मक रुख अपनाया और उनका दस्ता पीछे की ओर हटने लगा। हालांकि कोबरा की टीम नक्सलियों को खदेड़ते हुए लगातार कार्रवाई कर रही थी। सर्च ऑपरेशन गुरुवार को भी चलने की बात कही जा रही है।

# बेहद अनोखी है ये जैकेट बटन दबाते ही होने लगेगा ठंडक का एहसास

गर्मियों का मौसम दस्तक दे चुका है ऐसे में इन गर्मियों से मुकाबला करने के लिए अभी हाल ही में एक ऐसी जैकेट लांच की गई है जो इस गर्म मौसम में भी आपको ठंडक का एहसास करवाएगी। जी हां, सूक्ष्म, लघु एवं माध्यम उद्यम राज्य मंत्री गिरिराज सिंह ने इस स्पेशल जैकेट को बिहार के नवादा में अपने संसदीय क्षेत्र खानवा में लांच किया. मंत्रीजी के अनुसार यह जैकेट खानवा की कॉटन और टेक्नोलॉजी का मिश्रण है। लिनेन से बनी इस विशेष जैकेट में दो विकल्प होते हैं। एक लाल बटन और एक हरा बटन। लाल बटन दबाने से जैकेट गर्मी पैदा करती है और हरा बटन दबाने से ठंडक। जैकेट को बनाने वालों के अनुसार इसकी गर्मी और ठंडक के बीच करीब 20 डिग्री का अंतर है। दरअसल इस जैकेट में बैटरी से चालित हॉट एवं कोल्ड एयर फैन लगे हैं जो तापमान को नियंत्रित करते हैं। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट)के छात्रों ने इस जैकेट का डिजाइन तैयार किया था और इसमें 'क्लाइमेट गियरज तकनीक को लगाने में एक एमआईटी ग्रेजुएट ने सहायता

की। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के अनुसार यह जैकेट सेना के जवानों के लिए एक वरदान साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन में तैनात सेना के जवान इस जैकेट से बहुत लाभान्वित हो सकते हैं। यह जैकेट जल्द ही बाजार में आने की सम्भावना है। फिलहाल एक हाफ जैकेट की कीमत 18 हजार रुपए और फुल-बांह वाली जैकेट की कीमत 25 हजार रुपए रखी गई है।

# पुतले के अंदर छिपा है खौफनाक सच

पुतले के अंदर छिपा है खौफनाक सच, 80 सालों से मोम के पीछे दफन है राज दुनिया में ऐसी कई चीजें हैं, जिनके बारे में जानने के बाद लोग सिर्फ आश्चर्य ही कर सकते हैं। मेक्सिको की एक दुकान में पिछले 80 सालों से बंद एक दुल्हन के पुतले की सच्चाई ने इन दिनों लोगों के होश उड़ा दिए हैं। काफी डरावनी है इस पुतले की सच्चाई।

इस पुतले का नाम ला पस्क्युएलीटा रखा गया है। सबसे पहले 25 मार्च 1930 को इसे मेक्सिको के इस दुकान में कांच के अंदर लगाया गया था। सफेद रंग की दुल्हन की पोशाक पहने ये पुतला बिल्कुल असली दिखाई देता है। पहले तो लोग इसकी खूबसूरती देखने आते थे। लेकिन फिर आसपास के लोगों ने नोटिस किया कि इस पुतले का चेहरा दुकान की मालकिन पस्क्युएला एस्पार्जा से मिलती है, जिसकी 25 मार्च से

कुछ ही दिन पहले मौत हुई थी। दरअसल, पस्क्युएला की शादी होने वाली थी, लेकिन इससे ठीक पहले ही उसे जहरीली मकड़ी ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। लोगों का कहना है कि पस्क्युएला की मां अपनी बेटी से बहुत प्यार करती थी। इसलिए उसे पस्क्युएला की डेड बॉडी पर मोम की परत चढ़वा दी और उसे पुतले का रूप दे दिया। हालांकि, पुतले के बारे में लोगों द्वारा कही जा रही बातों को पस्क्युएला की मां ने अफवाह ही कहा लेकिन किसी ने उसकी बातों पर यकीन नहीं किया।

## मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

### मेष
अचानक हानि-दुर्घटना संभव है। शरीर अस्वस्थ रहेगा। पराक्रम से लाभ के अवसर बनेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। सत्कर्म में रुचि बढ़ेगी।

### सिंह
यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। निवेश के लिए शुभ समय है। शत्रु शांत रहेंगे। समस्या का हल निकलेगा।

### धनु
गृहस्थ सुख मिलेगा। सरकारी कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-निवेश से लाभ होगा। यात्रा कल्याणकारी होगी। घरेलू उलझनों को अनदेखा न करें।

### वृष
शुभ समाचार मिलेंगे। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय, निवेश-नौकरी के लिए समय ठीक है। सम्मान मिलेगा। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी।

### कन्या
अचानक संकट उपस्थित हो सकता है। नई योजनाएं बनेंगी। कार्य में रुचि बढ़ेगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नवीन काम के अवसर भी हैं।

### मकर
शत्रु संकट उपस्थित करेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। व्यापार-निवेश, नौकरी-इंटरव्यू मनमाफिक चलेंगे। संतान के कार्यों पर नजर रखें।

### मिथुन
शारीरिक कष्ट हो सकता है। यात्रा से लाभ होगा। अचानक लाभ के प्रस्ताव आएंगे। व्यापार-निवेश से लाभ होगा। परिवार में सुख-शांति होगी।

### तुला
शरीर कष्ट तथा धनहानि की आशंका है।धर्म-कर्म, तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सरकार कार्य पूर्ण होंगे। मन में शांति रहेगी।

### कुंभ
विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। शुभ समाचार मिलेंगे। दावत का आनंद मिलेगा। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। दिन उत्साहवर्धक रहेगा।

### कर्क
व्यय बढ़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। चोरी-दुर्घटना से बचें। शत्रु कष्ट दे सकते हैं। मातृपक्ष की चिंता होगी। किसी की आलोचना न करें।

### वृश्चिक
चोरी-दुर्घटना से हानि संभव है। व्यय बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय धीमा चलेगा। विवाद से बचना होगा। कई दिनों के रुके कार्य होने के अवसर हैं।

### मीन
पुराना रोग उभर सकता है। विरोध होगा। पराक्रम से लाभ तथा विजय मिलेगी। व्यापार धीमा चलेगा। बुद्धि का प्रयोग लाभ का प्रतिशत

## मुंबई हलचल सुडोकू-95

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | | | | 6 | 8 | 3 |
| 6 | | 1 | | 4 | | | | |
| 8 | | 3 | | | 9 | 7 | | |
| 9 | | | 3 | 2 | | | | 8 |
| | | 7 | | 5 | 8 | 9 | 6 | |
| | | | | | | 3 | | |
| | | 4 | 7 | | 5 | | 9 | 6 |
| | 9 | | | 3 | 6 | | 4 | |
| | | | | | | | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येकक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3*3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रहे।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

### मुंबई हलचल सुडोकू-94

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 6 | 8 | 4 | 1 | 3 | 7 | 5 | 2 |
| 1 | 7 | 5 | 6 | 2 | 9 | 3 | 8 | 4 |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 7 | 8 | 6 | 9 | 1 |
| 7 | 9 | 1 | 8 | 3 | 4 | 5 | 2 | 6 |
| 3 | 4 | 2 | 7 | 5 | 6 | 8 | 1 | 9 |
| 5 | 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 4 | 3 | 7 |
| 6 | 2 | 9 | 3 | 4 | 5 | 1 | 7 | 8 |
| 8 | 5 | 7 | 9 | 6 | 1 | 2 | 4 | 3 |
| 4 | 1 | 3 | 2 | 8 | 7 | 9 | 6 | 5 |

# आम के सेहत के फायदे क्या है जानिए

आम का नाम जितना आम है उतना ही आम हमारे स्वास्थ्य के लिए खास है और शायद यही वजह कि इसे हम ह्यफलों के राजा ह्य के नाम से भी जानते है और दुनिया भर में करीब पन्द्रह सौ से अधिक प्रकार के आम पाए जाते है जिनमे से 1000 से ज्यादा तो केवल भारत में ही पाए है जो काफी है हमे भारतीय होने पर गर्व करने के लिए` गर्मियों का मौसम यानि कि छुटियों का मौसम और ऐसे में बिना आम के छुटियाँ और गर्मी स्वादहीन लगती है जबकि 3 या चार महीनो का सीजन होते हुए भी पूरे साल आम का मजा लिया जा सकता है` स्वास्थ्य की दृष्टि में भी आम के अंदर इतने सारे गुण मौजुद है जो इसे खास बना देते है क्योंकि इसमें विटामिन प्रोटीन वसा और फाइबर बड़ी मात्रा में पाया जाता है और खनिजों में कैल्शियम सोडियम पोटेशियम और कॉपर भी अच्छी मात्र में पाए जाते है` साथ विटामिन ए बी सी भी बहुत्तायत में पाए जाते है तो चलिए इस बारे में कुछ और बात करते है

**1**-आम में विटामिन सी होता है जो हमारे दांतों और मसूड़ों के लिए बहुत जरुरी होता है और इसके अलावा भी विटामिन सी के बहुत सारे फायदे है जो हमारे लिए काफी फायदेमंद है। **2**-आम में पाए जाने वाले विटामिन ए,बी,सी के अलावा इसमें 25 अन्य केरोटीनोइड्स होते है जो हार्मोनल सिस्टम और हमारे इम्यून सिस्टम को चुस्त और दुरुस्त बनाये रखने में बहुत मदद करता है। **3**-आयरन का एक अच्छा स्त्रोत होने के कारण गर्भवती महिलाओं और अनीमिया से पीड़ित लोगों के लिए बहुत लाभप्रद होता है और साथ ही यह खून में होमोसिस्टीन के स्तर को नियंत्रित करता है जो रक्त की कोशिकाओं के लिए काफी हानिकारक होते है। **4**-आम में टिनगिन्या फाइबर होता है और साथ ही पेक्टिन और विटामिन सी होता है जो ब्लड कोलेस्ट्राल को घटाने के लिए बहुत काम के होते है यानी दिल के लिए भी आम बहुत लाभदायक होता है। **5**-आम में बीटा कैरोटीन होता है जो आपके बूढ़े होने की दर को कम कर देता है साथ ही त्वचा के लिए भी बहुत लाभदायक होता है इस से त्वचा सही से साँस लेने लगती है और उसकी फायदा भी सही से होने लगती है जिसकी वजह से त्वचा साफ सुथरी और दाग रहित होने लगती है। **6**-एक आम में दिनभर की आवश्यकता से आधी मात्र में विटामिन ए होता है जिसकी वजह से आपकी आँखों के लिए भी यह अमृत की तरह काम करता है आम खाने से आपकी आँखों की क्षमता बढ़ती है और उनमे चमक आ जाती है और सूखापन दूर हो जाता है` सबसे खास बात आम में भरपूर मात्र में विटामिन ई होता है जो स्वस्थ सेक्स लाइफ के लिए बहुत जरुरी होता है।

# अंगूर खाने से सेहत के फायदे

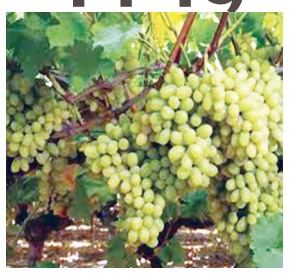



कहते हैं कि अंगूर का उत्पादन सबसे पहले करीब छह हजार साल पहले यूरोप में हुआ था। फ्रांसीसियों के साथ यह अमेरिका पहुंचे जहां बाद में इसका प्रयोग वाइन बनाने के लिए किया जाने लगा। यह एक बलवर्घक एवं सौन्दर्यवर्घक फल है। इसमें मां के दूघ के समान पोषक तत्व पाए जाते हैं। फलों में अंगूर सर्वोत्तम माना जाता है। यह निर्बल-सबल, स्वस्थ-अस्वस्थ आदि सभी के लिए समान उपयोगी होता है। आइये जानते हैं इसके और महत्वपूर्ण उपयोग- अंगूर के फायदे- 1. अंगूर के नन्हें-नन्हें दाने बड़ी खूबियों से भरे होते हैं। अंगूर में पॉली-फेनोलिक फाइटोकेमिकल कंपाउंड पाए जाते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि कोरोनरी हार्ट डिजीज, नर्व डिजीज, अल्जाइमर व वाइरल तथा फंगल इन्फेक्शन से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। 2. अंगूर में मिलने वाले पोषक तत्व हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद रहते हैं। अंगूर में सीमित मात्रा में कैलॉरी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई व के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन भी मिलता है। 3. शरीर के किसी भी भाग से रक्त स्राव होने पर अंगूर के एक गिलास ज्यूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने पर रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है जिसकी कि रक्तस्राव के समय क्षति हुई है। 4. अंगूर का गूदा ग्लूकोज व शर्करा युक्त होता है। विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होने से अंगूर का सेवन भूख बढाता है, पाचन शक्ति ठीक रखता है, आँखों, बालों एवं त्वचा को चमकदार बनाता है। 5. हार्ट-अटैक से बचने के लिए काले अंगूर का रस एसप्रिन की गोली के समान कारगर है। एसप्रिन खून के थक्के नहीं बनने देती है। काले अंगूर के रस में फ्लोवोनाइडस नामक तत्व होता है और यह भी यही कार्य करता है। 6. अंगूर फोड़े-फुन्सियों एवं मुहासों को सुखाने में सहायता करता है। अंगूर के रस के गरारे करने से मुँह के घावों एवं छालों में राहत मिलती है। 7. एनीमिया में अंगूर से बढकर कोई दवा नहीं है। उल्टी आने व जी मिचलाने पर अंगूर पर थोडा नमक व काली मिर्च डालकर सेवन करें।

# गन्ने के रस पीने के स्वास्थ्य लाभ

गन्ना घास के परिवार का एक सदस्य है। इसमें सुक्रोस और अन्य कई पोषक पदार्थ होते हैं, जो आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। नीचे गन्ने के रस के कुछ फायदे बताए गए हैं। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा गन्ना उगाने वाला देश है। गर्मियों के मौसम में गन्ने के रस से ज्यादा कुछ पोषक और स्वस्थ रखने वाला कोई और रस नहीं हो सकता। गन्ने में मुख्यतः सुक्रोस पाया जाता है जो गर्मियों के मौसम में ताजगी के साथ साथ लाभ भी देता है। गन्ने के रस के गुण, गन्ना जिंक, क्रोमियम, कोबाल्ट, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फास्फरोस, पोटैशियम और कॉपर से भरपूर होता है। गन्ने का रस के फायदे इसमें विटामिन ए,सी,बी 1,बी 2,बी 5,बी 6, और लौह तत्व एंटीऑक्सिडेंट, प्रोटीन , घुलनशील फाइबर भी पाया जाता है। गन्ने का जूस, गन्ने के रस से भारत में एक रोजाना पीया जाना वाला पेय है। यह एक बहुत ही अच्छा स्वस्थ विकल्प है। गन्ने के रस से शरीर में पानी कमी नहीं होती और यह गुर्दे की पथरी, मधुमेह, पीलिया, सर्दी, फ्लू और गले में खराश का अनूठा इलाज है। गन्ने के रस के लाभ, इसमें कैंसर विरोधी गुण भी पाया जाता है।

# अंजीर के फायदे

अंजीर एक स्वादिष्ट, स्वास्थ्यवर्धक और बहुपयोगी फल है। इसके पके फल को लोग खाते हैं। सुखाया फल मेवे के रुप में बिकता है। सूखे फल को टुकड़े-टुकड़े करके या पीसकर दूध और चीनी के साथ खाया जाता है। इसका स्वादिष्ट जैम (फल के टुकड़ों का मुरब्बा) भी बनाया जाता है। सूखे फल में चीनी की मात्रा लगभग ६२ प्रतिशत तथा ताजे पके फल में २२ प्रतिशत होती है। इसमें कैल्सियम तथा विटामिन 'ए' और 'बी' काफी मात्रा में पाए जाते हैं। अंजीर के सेवन से कब्ज दूर होती है। मन प्रसन्न रहता है और कमजोरी दूर होती है। साथ ही खांसी का भी नाश होता है। अंजीर में कार्बोहाइड्रेट 63 प्रतिशत, प्रोटीन 5.5 प्रतिशत, सेल्यूलोज 7.3 प्रतिशत, चिकनाई एक प्रतिशत, मिनरल सोल्ट 3 प्रतिशत, एसिड 1.2 प्रतिशत, राख 2.3 प्रतिशत और पानी 20.8 प्रतिशत होता है। इसके अलावा प्रति 100 ग्राम अंजीर में लगभग 1 ग्राम का चौथा भाग आयरन, विटामिन, थोड़ी मात्रा में चूना, पोटैशियम, सोडियम, गंधक, फास्फोरिक एसिड और गोंद भी पाया जाता है। आइए हम आप को बताते है कि अंजीर के सेवन से क्या-क्या फायदे हो सकते है।

**1.** एनीमिया- अंजीर में आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाने के कारण यह एनीमिया में लाभप्रद होता है। 10 मुनक्के और 8 अंजीर 200 मिलीलीटर दूध में उबालकर पी लें। इससे रक्त में वृद्धि और रक्त सम्बन्धी विकार दूर हो जाते है। **2.** कब्ज- 3 से 4 पके अंजीर दूध में उबालकर रात को सोने से पहले खाएं। और उसके बाद वही दूध पी लें। इससे कब्ज में लाभ होता है या 4 अंजीर को रात को सोते समय पानी में डालकर रख दें। सुबह थोड़ा सा मसलकर पानी पीने से कब्ज दूर हो जाती है। **3.** अस्थमा- अस्थमा की बीमारी में अंजीर के पत्तों से राहत मिलती है। जो लोग इंसुलिन लेते हैं उनके लिये यह बहुत लाभकारी होता है। इसमें पोटैशियम की मात्रा अच्छी होती है जिससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। **4.** जुकाम- पानी में 5 अंजीर को डालकर उबाल लें और इस पानी को छानकर गर्म-गर्म सुबह और शाम को पीने से जुकाम में लाभ होता है।

**5.** ताकत को बढ़ाने वाला- सूखे अंजीर के टुकड़े और छिले हुए बादाम को गर्म पानी में उबालें। इसे सुखाकर इसमें दानेदार शक्कर, पिसी इलायची, केसर, चिरौंजी, पिस्ता और बादाम बराबर मात्रा में मिलाकर 7 दिन तक गाय के घी में पड़ा रहने दें। रोजाना सुबह 20 ग्राम तक सेवन करें। इससे आपकी ताकत बढती है। **6.** सिरदर्द- सिरके या पानी में अंजीर के पेड़ की छाल की भस्म बनाकर सिर पर लेप करने से सिर का दर्द ठीक हो जाता है। **7.** बवासीर- 3-4 सूखे अंजीर को शाम के समय पानी में डालकर रख दें। सुबह अंजीरों को मसलकर प्रतिदिन सुबह खाली पेट खाने से बवासीर दूर होती है। **8.** कमर दर्द- अंजीर की छाल, सोंठ, धनियां सब बराबर लें और कूटकर रात को पानी में भिगो दें। सुबह इसके बचे रस को छानकर पिला दें। इससे कमर दर्द में लाभ होता है। **9.** हड्डियों को मजबूत- अंजीर में कैल्शियम बहुत होता है, जो हड्डियों को मजबूत करने में सहायक होता है। आपको बस केवल दिन भर में 4-5 अंजीर खाना होगा और फिर इससे लाभ हो जाएगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



# PAK बल्लेबाज की विस्फोटक पारी
## 7 गेंदों में जड़ डाले 40 रन

**नई दिल्ली,** आलोचनाओं का शिकार होने वाले पाकिस्तान के मिसबाह उल हक ने हांग कांग टी20 लीग में एक धमाकेदार पारी खेलकर साबित कर दिया कि वो अब भी और क्रिकेट खेलने के काबिल हैं। मिसबाह ने हांग कांग आइलैंड यूनाइटेड टीम की ओर से खेलते हुए 37 गेंदों में 82 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें चार 4 और 7 छक्के शामिल रहे। उनकी इस धमाकेदार पारी में सबसे बड़ी बात यह रही कि उन्होंने आखिरी 40 रन महज 7 गेंदों में बना डाले।

### जड़े लगातार 4 छक्के

मिसबाह ने यह तेज पारी हुंग होम जगुआर टीम के खिलाफ खेली। इनिंग के आखिरी ओवर में मिसबाह दूसरी बॉल पर स्ट्राइक पर आए और लगातार चार छक्के लगाए। आखिरी बॉल पर उन्होंने चौका लगाकर टीम का स्कोर 216 रन पर पहुंचा दिया। मिसबाह की टीम ने आखिरी ओवर में 29 रन बनाए, जिसमें से 28 रन उनके बैट से निकले।

### 33 रन से जीती टीम

मिसबाह की टीम ने जगुआर टीम को 33 रनों से हरा दिया। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी हुंग होम जगुआर टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 183 रन पर ऑलआउट हो गई। इस टीम के लिए सबसे ज्यादा रन वेस्ट इंडीज के 26 साल के क्रिकेटर जोनाथन फू ने 77 रनों की पारी खेली।

# PSG को 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचा बार्सिलोना

**बार्सिलोना,** अंतिम सात मिनटों में तीन गोल की बदौलत स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 6-1 से करारी शिकस्त देकर लगातार 11वीं बार चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

बार्सिलोना ने सर्जियो राबर्टो के स्टॉपेज टाइम में किये गये करिश्माई गोल की बदौलत पीएसजी को मैच में 6-1 से हराया और कुल 6-5 के स्कोर के साथ क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पिछले 11 वर्षों से बार्सिलोना लगातार चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंच रहा है। यह भी दिलचस्प है कि पिछले मैच में 0-4 की हैरतअंगेज हार झेलने के बावजूद बार्सिलोना ने अंतिम आठ में जगह बना ली है। इसी के साथ वह चैंपियंस लीग की पहली टीम बन गयी है जिसने नाकआउट चरण में चार गोलों के अंतर की हार के बावजूद क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। कैम्प नाउ स्टेडियम

में खेले गये दूसरे चरण के मुकाबले में लुईस सुआरेज ने तीसरे मिनट में ही गोल कर बढ़त हासिल की। इसके इसके बाद लेविन कुरजावा ने 40वें मिनट में आत्मघाती गोल करते हुये बार्सिलोना को एक गोल का तोहफा दे दिया। ब्रेक से पहले अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मैसी ने 50वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-0 पर पहुंचा मैच पर लगभग एकतरफा कब्जा कर लिया।

हालांकि फिर उरूग्वे के स्ट्राइकर एडिनसन कवानी ने पीएसजी के लिये दूसरे हाफ के 62वें मिनट में खाता खोला और स्कोर 3-1 किया। लेकिन बार्सिलोना ने मैच समाप्त होने से सात मिनट पहले तीन और गोल दागकर स्कोर 6-1 पहुंचा दिया। ब्राजीली खिलाड़ी नेमार ने 88 वें और 91वें मिनट में तथा सर्जियो रोबर्टो ने 95वें मिनट में गोल दागा। ब्राजील के कप्तान नेमार का पिछले तीन मैचों में बार्सलोना के लिये यह चौथा गोल है।

# सायना ने गत चैंपियन ओकुहारा को हराया

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी भारत की बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने चोट से उबरने के बाद शानदार शुरूआत करते हुये गत चैंपियन जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराकर ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। आठवीं वरीयता प्राप्त सायना ने विश्व रैंकिंग में 10वें नंबर की खिलाड़ी ओकुहारा को 38 मिनट तक चले मुकाबले में 21-15, 21-14 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।इस जीत के साथ ही सायना ने ओकुहारा से 2015 में मिली हार का बदला भी ले लिया है। विश्व रैंकिंग में नौवें नंबर की खिलाड़ी सायना ने गत चैंपियन ओकुहारा के खिलाफ अब अपना करियर रिकॉर्ड 6-1 कर लिया है। सायना के अलावा रियो ओलंपिक की रजत विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय ने भी दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त ने सिंधू

ने एकतरफ अंदाज में डेनमार्क की मैटे पॉल्सन को मात्र 29 मिनट में 21-10, 21-11 से पीट दिया। २वहीं प्रणय ने चीन के कियाओ बिन को कड़े संघर्ष में 17-21, 22-20, 21-19 से हराया। लेकिन मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी की जोड़ी पहले दौर में हारकरबाहर हो गयीं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# जेल में रहेंगे रणबीर!

**बॉलीवुड** अभिनेता रणबीर कपूर राजकुमार हिरानी की आने वाली फिल्म के लिए जेल जाने वाले हैं। लेकिन घबराने की बात नहीं है वो किसी जुर्म में नहीं बल्कि अपनी फिल्म के लिए जेल जाएंगे। रणबीर अपनी आने वाली फिल्म के काफी मेहनत कर रहे हैं। यह फिल्म अभिनेता संजय दत्त की जिंदगी पर बन रही है जिसमें रणबीर संजय दत्त का रोल निभाएंगे। फिल्म में अपने रोल में जान डालने के लिए रणबीर कपूर एक हफ्ता जेल में बिताएंगे। खबरों की मानें तो बुधवार को रणबीर कपूर भोपाल पहुंच गए हैं और वो वहां की जेल में एक हफ्ता बिताएंगे। बता दें कि अवैध हथियार रखने के जुर्म में संजय दत्त यरवदा जेल में सजा काट चुके हैं।

# सनी लियोन पर बवाल

**महिला दिवस** पर ट्वीट करके राम गोपाल वर्मा ने मुसीबत मोल ले ली है। फिल्म मेकर जब बोलते हैं, तब एक नया बवाल कर देते हैं। इस मामले पर उनके खिलाफ शिकायत भी दर्ज हुई है। फिल्म स्टूडियो सेटिंग के प्रेसीडेंट और बीजेपी नेता राम कदम ने रामगोपाल वर्मा को हिदायत दी है कि वह अपने ट्वीट्स के लिए माफी मांगें वर्ना उनको मुंबई में शूटिंग करने नहीं दिया जाएगा।अंधेरी के वसोर्वा इलाके में चल रही 'सरकार 3' की शूटिंग को फिल्म स्टूडियो सेटिंग ने रोक दिया है। फिल्म का क्लाइमेक्स सीन अभी शूट होना बाकी था। जब यूनियन के लोगों ने शूटिंग को रोका तब प्रोड्क्शन की टीम वहां मौजूद थी। वहीं एनसीपी की सदस्य विद्या चव्हाण ने रामगोपाल वर्मा को लेकर कहा है कि उन्हे मांफी मांगनी चाहिए अगर नहीं मांगी तो फिर उन्हें हम चप्पल से पीटेंगे। इस खेल में राम कदम ने अमिताभ बच्चन को भी लपेटे में ले लिया है।



# टाइगर जिंदा है

**अभिनेता** परेश रावल, अली अब्बास जफर की फिल्म 'टाइगर जिंदा है' में एक विशेष किरदार निभाएंगे। इस फिल्म के जरिए परेश पहली बार यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) की किसी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग ऑस्ट्रिया में अगले हफ्ते से शुरू होगी। वाईआरएफ की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि परेश की इसमें ऐसी भूमिका होगी, जैसी उन्होंने पहले कभी नहीं निभाई होगी। फिल्म में परेश की एंट्री पर जफर ने कहा, 'मैं हमेशा से ही उनके काम और उनके द्वारा किरदार में ढलने के तरीके का फैन रहा हूं। मैं उन्हें इस विशेष किरदार में देखने का इंतजार कर रहा हूं।